हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 17 सितंबर 2026

विश्वकर्मा पूजा की
मंगलकामनाएं



Shri Balaji Group of Hospitals & Colleges
संकल्प, समर्पित सेवा का

श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल मोवा, रायपुर



200 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल



11 दिवसीय नि:शुल्क कैंसर जांच एवं निदान शिविर

15 से 25 सितंबर 2026

समय :- सुबह 10:00 बजे से
शाम 04:00 बजे तक

डॉ. देवेंद्र नायक
चेयरमैन
श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल एंड कॉलेजेस

- नि:शुल्क OPD
- जांच पर 50% तक की छूट
- पेट स्कैन मात्र 10,000/- रु में
- नि:शुल्क मैमोग्राफी

एडवांस्ड कैंसर के इलाज की अत्याधुनिक तकनीक


ADVANCED LINEAR ACCELERATOR (TRUE BEAM)


HALCYON LINEAR ACCELERATOR


VARIAN BRACHY THERAPY


SPECT GAMA SCAN


PHILIPS 64 SLICES PET SCAN


128 SLICE CT SCAN SIMULATOR


IHC & frozen


CMR ROBOTIC SYSTEM

सुपर-स्पेशियलिटी विशेषज्ञों की अनुभवी टीम

MEDICAL ONCOLOGY



DR. SATYANKER GUPTA
M.D. Medicine, DNB Medical Oncology
Former Consultant, SMVD Narayana Hospital & AOI, Jammu

SURGICAL ONCOLOGY



DR. VAIBHAV KUSHWAHA
MBBS MS MCh Surgical Oncology
Ex- Senior Resident Tata Memorial Hospital - MPMMCC Varanasi

RADIATION ONCOLOGY

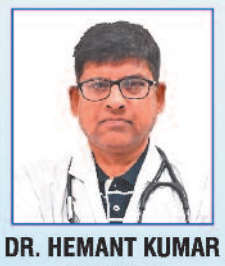

DR. HEMANT KUMAR BANJARE
MBBS, MD (Radiation Oncology)

HAEMATOLOGY



DR. AMBAR GARG
MBBS, MD, DNB
(Haematology)

NUCLEAR MEDICINE



DR. VIVEK BAGHEL
MBBS, MD (Nuclear Medicine)
FABNM (South Korea) MCANM
(Canada, Malaysia, Singapore)

PLASTIC SURGERY



DR. YATINDRA DEWANGAN
MBBS, MS (General Surgery),
Mch (Plastic Surgery)



DR. BHARTI MARAVI
MBBS, MS (General Surgery)
Mch (Plastic Surgery)

HISTOPATHOLOGY IHC



DR. TANYA CHABA
MBBS, MD (Pathology)

GASTRO ONCOLOGY



DR. PUSHPENDRA NAIK
MBBS, M.S. (General Surgery), FIAGES,
DNB (Surgical Gastro & Liver Transplant)
Minimal Invasive Laprascopic & Robotic Surgeon

URO ONCOLOGY



DR. SURAJ JAJOO
MBBS, DNB (General Surgery)
Mch (Urology-Gold Medalist)

NEURO ONCOLOGY



DR. MANISH
MBBS, MS (General Surgery)
MCh (Neuro Surgery) Fellowship in
Endoscopic Spine and Brain

GYNAE - ONCOLOGY

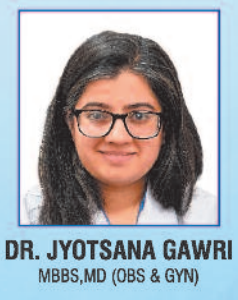

DR. JYOTSANA GAWRI
MBBS,MD (OBS & GYN)

PAIN CLINIC & INTERVENTIONAL RADIOLOGY



DR. RITESH SAHU
MBBS, MD- Radiodiagnosis,
DM-Interventional Radiology

ICU & CRITICAL CARE

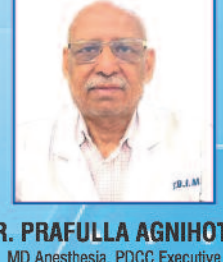

DR. PRAFULLA AGNIHOTRI
MD Anesthesia, PDCC Executive
Director Critical Care

RADIOLOGY



DR. DINESH PARDESHI
MBBS, MD (Radiology)

अग्रिम पंजीयन आवश्यक

कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, कैंसर सर्जरी आयुष्मान कार्ड से

मोवा, रायपुर, छत्तीसगढ़, फोन : 7879424697, 9685724697, 0771-4241000



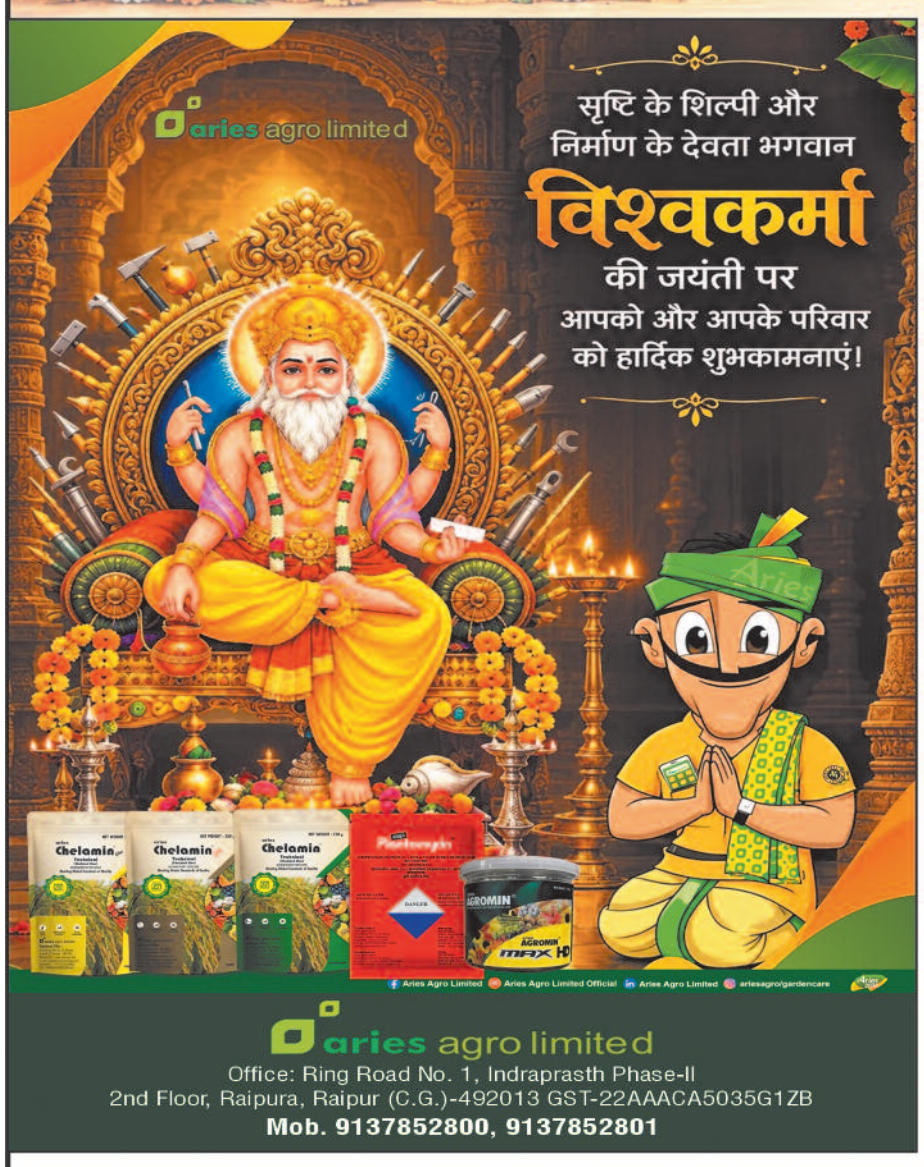

कैसे हुई भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति

एक कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ में सर्वप्रथम 'नारायण' अर्थात साक्षात विष्णु भगवान सागर में शेषशय्या पर प्रकट हुए. उनके नाभि-कमल से चतुर्मुख ब्रह्मा दृष्टिगोचर हो रहे थे. ब्रह्मा के पुत्र 'धर्म' तथा धर्म के पुत्र 'वास्तुदेव' हुए. कहा जाता है कि धर्म की 'वस्तु' नामक स्त्री से उत्पन्न 'वास्तु' सातवें पुत्र थे, जो शिल्पशास्त्र के आदि प्रवर्तक थे. उन्हीं वास्तुदेव की 'अंगिरसी' नामक पत्नी से विश्वकर्मा उत्पन्न हुए. पिता की भांति विश्वकर्मा भी वास्तुकला के अद्वितीय आचार्य बने.

Contact for Ad
Mob.: 9340808313





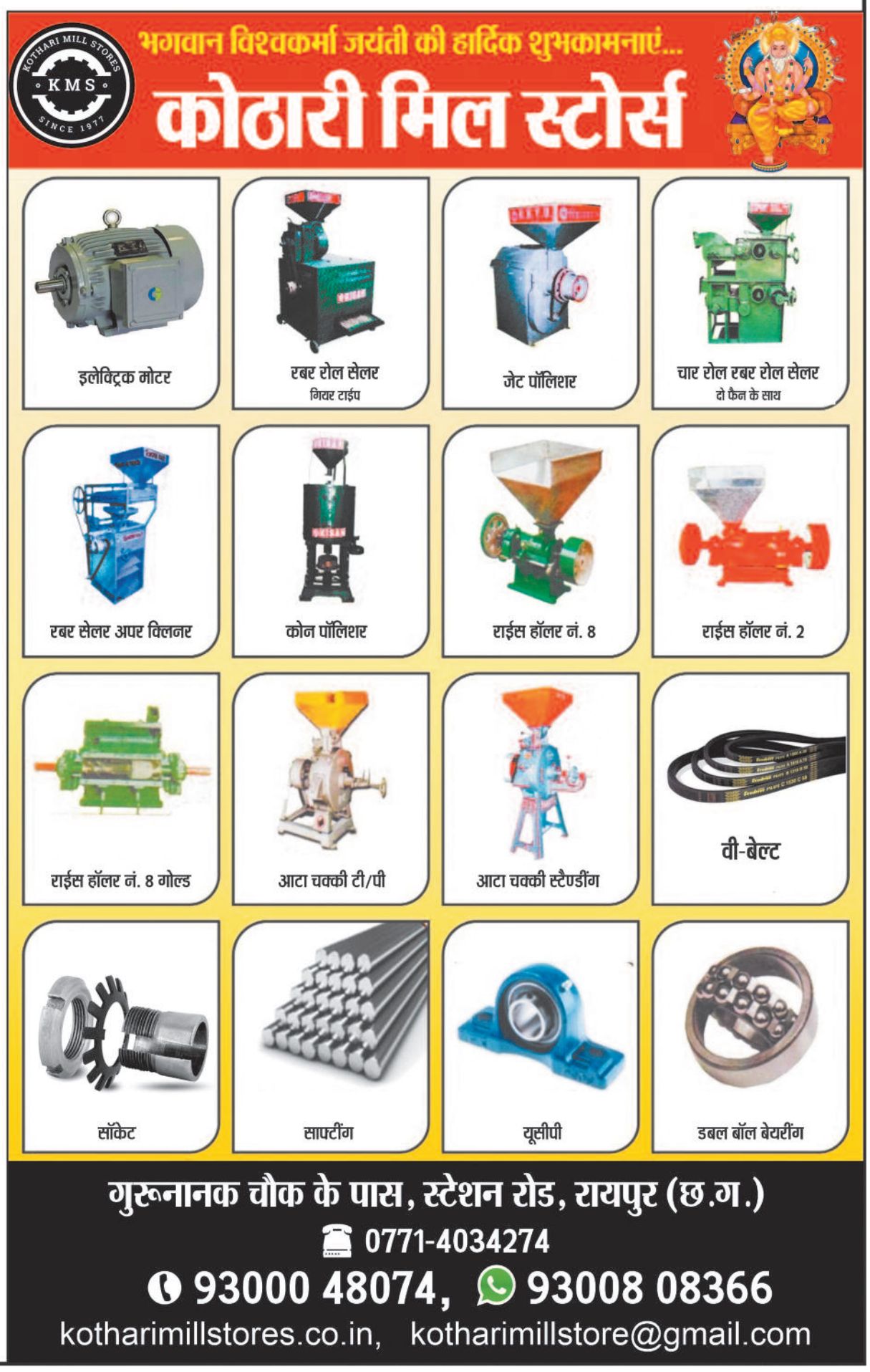



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित



समाचार ही नहीं, विचार भी



सेवा संकल्प दिवस आज

रमन बोले-मोदी का नेतृत्व देश के लिए वरदान, चौथी बार भी बनेंगे प्रधानमंत्री

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की विशेष बातचीत



हरिभूमि न्यूज/ रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली और उनके साथ बिताए यादगार पलों को एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर साझा किया। डॉ. सिंह ने कहा, 24 घंटे और 365 दिन देश सेवा में समर्पित रहने वाले नरेंद्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व सदी में एक बार मिलता है। दंतेवाड़ा के आवासीय विद्यालय में बच्चों संग पीएम के ड्रम बजाने से लेकर, बीजापुर में महिला को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाने और 104 वर्ष की वृद्धा कुंवर बाई के पैर छूने जैसे भावुक संस्मरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने पीएम श्री मोदी की असीम संवेदनशीलता और विनम्रता को रेखांकित किया। साथ ही बस्तर से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन में केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प को निर्णायक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि देश की जनता के अटूट भरोसे के दम पर नरेंद्र मोदी चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करेंगे। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ विशेष बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं।

- ***नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात आपकी कब हुई थी और कैसे हुई थी?***

■ एक लंबा समय निकल गया है और मुझे लगता है कि नरेंद्र भाई को काम करते हुए अलग-अलग रूप में, कभी एक अच्छे संगठक के रूप में, कभी प्रदेश में मुखिया के नाते मुख्यमंत्री के रूप में, फिर प्रधानमंत्री के रूप में अलग-अलग भूमिकाओं में लंबे समय तक देखने का अवसर मिला। और मुझे लगता है कि मेरी पहली मुलाकात यदि मैं कहूं तो वो तो बहुत लंबा समय, जब मुरली मनोहर जोशी की यात्रा में प्रभारी थे। यह मुरली मनोहर जोशी की उस यात्रा का अनुभव मेरे साथ जुड़ा है, मगर मोदीजी के साथ जो परिचय बढ़ा, उस समय तो एक सामान्य कार्यकर्ता ▶▶| शेष पेज 10 पर

कर्मयोगी मोदी जनसेवा के 25 वर्ष

सेवा और संकल्प से विकसित भारत की ओर



विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। उस दिन से शुरू हुआ जनसेवा का सिलसिला 25 वर्षों से अविराम जारी है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी ने भारत को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कराया है। यह अवसर मां भारती के महान सपूत के अभिनंदन के साथ ही उनके संकल्पों में सहभागिता का भी है। जब उन्होंने गुजरात के शासन की कमान संभाली, तब राज्य विनाशकारी भुज भूकंप की पीड़ा से जूझ रहा था। इस पीड़ा से उन्होंने न केवल गुजरात को उबारा, बल्कि उसे भारत का ग्रोथ इंजन भी बना दिया।

प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र देश को दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार करते हुए उन्होंने अपनी हर योजना के केंद्र में अंतिम व्यक्ति को रखा। डिजिटल वित्तीय समावेशन के माध्यम से उन्होंने देश के करोड़ों गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे हितग्राहियों ▶▶|शेष पेज 10 पर

इनको फांसी की सजा



झीरम नरसंहार पर 10 को मृत्युदंड

नक्सल हत्या में पहली बार फांसी की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

झीरम घाटी हत्याकांड मामले में शामिल सभी 10 दोषियों को एनआईए कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा सुनाई है। घटना के 13 साल बाद न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत ने सभी 10 आरोपियों को फांसी की सजा सुनाते हुए मामले में अपील करने के लिए दोषियों को एक माह का समय दिया है। इस अवधि में सजा के खिलाफ अपील कर सकते हैं।

बुधवार को एनआईए कोर्ट ने पूर्व में दोषी करार दिए गए सभी दस आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है, इनमें प्रमिला मोडियम, चैतू लेकाम उर्फ मुन्ना, सुमित्रा उर्फ सुमित्रा पुनेम मोडियम, मुक्का मांडवी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आयता मरकाम, मड़कामी देवा, जोगा मड़कामी, बनजामी सन्ना उर्फ चमरू उर्फ डेंगा तथा महादेव नाग शामिल हैं। गौरतलब है कि 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर झीरम घाटी में नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के बस्तर प्रभारी उदय मुदलियार समेत 32 लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में ▶▶|शेष पेज 10 पर

विपक्ष में थी कांग्रेस

वर्ष 2013 में प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने थे और बीते 10 साल से विपक्ष में बैठी कांग्रेस जीत के लिए जोर लगा रही थी। पार्टी पूरे राज्य में परिवर्तन यात्रा चला रही थी। 25 मई को सुकमा में परिवर्तन रैली की गई। रैली के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर जा रहा था। इसमें करीब ▶▶| शेष पेज 10 पर

फैसले के खिलाफ अपील के लिए दोषियों को मिला एक माह का समय



इतिहास का पीड़ादायक अध्याय : सीएम साय



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि झीरम घाटी में हुआ बर्बर हत्याकांड छत्तीसगढ़ के इतिहास का वह पीड़ादायक अध्याय है, जिसकी कटु स्मृतियां हमें लंबे समय तक पीड़ा देती रहेंगी। इस जघन्य कम्युनिस्ट हिंसा में हमने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, सुरक्षाकर्मियों और आम नागरिकों को भी खोया है। दोषी पाए गए दस माओवादियों को एनआईए कोर्ट द्वारा दी गई मृत्युदंड की सजा न्याय की जीत है।

न्याय अभी अधूरा, सुप्रीम कोर्ट जाएंगे : जितेन्द्र



राजनांदगांव। झीरम कांड में शहीद हुए पूर्व विधायक उदय मुदलियार के पुत्र जितेन्द्र मुदलियार ने कहा कि यह अधूरा न्याय है। इस मामले में अभी पूरा न्याय मिलना बाकी है और वे इस घटना में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी को सजा दिलाने तक लड़ाई लड़ेंगे। झीरम घाटी नक्सल कांड को लेकर जितेन्द्र मुदलियार ने कहा कि झीरम घाटी में जो नक्सल घटना हुई थी, उसमें डेढ़ सौ से अधिक नक्सली शामिल थे। इनमें महज 10 नक्सलियों को चिन्हांकित कर सजा देने का काम किया गया है।

सवाल बरकरार, खूनी साजिश का मास्टरमाइंड कौन: अनिता



धरसींवा। झीरम घाटी के खूनी मंजर को गुजरे करीब 13 साल बीत चुके हैं। जगदलपुर की विशेष एनआईए अदालत ने इस बहुचर्चित हत्याकांड के 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाकर कानूनी प्रक्रिया का एक अध्याय जरूर बंद कर दिया, लेकिन उन परिवारों के दिलों में जल रही ज्वाला आज भी शांत नहीं हुई है जिन्होंने इस त्रासदी में अपनों को खोया था। इस फैसले के सामने आने के बाद झीरम घाटी हमले में शहीद हुए योगेंद्र शर्मा की पत्नी और धरसींवा की पूर्व विधायक अनिता शर्मा का दर्द एक बार फिर छलक पड़ा। उन्होंने भावुक मन से कहा कि ▶▶| शेष पेज 10 पर

सभी आरोपियों को इन धाराओं में दिया मृत्युदंड

देश के सबसे बड़े झीरम घाटी नक्सल हमले में गिरफ्तार सभी दस आरोपियों को इन अलग अलग धाराओं में विशेष एनआईए कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा दी है। एनआईए के अधिवक्ता दिनेश पानीग्राही ने बताया कि इन सभी दोषियों को अलग अलग सेक्शन में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। इनमें आईपीसी की धारा 302 हत्या, 307 हत्या का प्रयास, 147, 148, 149 बलवा, 25, 27 आर्म्स एक्ट, 396, 397 हत्या संग डकैती व लूटपाट, 427 मार्ग अवरुद्ध करना, 120 बी षड्यंत्र रचना, 16, 18, 20, 48 (2), 49 (2), विधि विरुद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम, 3, 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत मौत की सजा सुनाई गई है।



घर से उठाकर ले गई पुलिस



भीमा बारसे ने आरोप लगाया कि उसके भाई मुक्का माड़वी, साले कोसा कवासी और आयतु मरकाम को दरभा पुलिस उनके घर से उठाकर ले गई थी। भीमा का कहना है कि तीनों को पुलिस ने फंसाया है। परिजनों का कहना है कि वे इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और सजा के खिलाफ याचिका दायर करेंगे। अब परिजन न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए मामले की दोबारा सुनवाई की मांग करेंगे।

फैसले से सहमत और संतुष्ट नहीं : तुलिका



जगदलपुर। झीरम कांड में 10 लोगों को फांसी की सजा मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में बस्तर टाइगर महेन्द्र कर्मा की बेटी तुलिका कर्मा ने कहा कि फैसले से सहमत और संतुष्ट नहीं हैं। असली गुनाहगार सजा से बच गए जबकि निचले स्तर के लोगों को सजा मिली। देवा, बारसा, पापाराव,चैयतु जैसे खुंखार नक्सलियों का रेड कारपेट बिछाकर स्वागत किया गया। जबकि ये लोग मास्टर माइंड बताए गए हैं। गृहमंत्री विजय शर्मा इनके साथ बैठकर भोजन करते हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट और जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जब तक न्याय नहीं मिलेगा लड़ते रहेंगे। जब झीरम कांड हुआ तब भाजपा की सरकार थी और अब जब नक्सलवाद समाप्त कहा जा रहा है तब उनके चहेते उद्योगपतियों को खदान और माइन्स दिया जा रहा है। मुख्य गुनाहगार और षड्यंत्रकारियों को सजा नहीं मिलना शहीद परिवारों के साथ मजाक है।



भारत ने नई दिल्ली में तलब किया पाक हाई कमिश्नर जताई कड़ी आपत्ति

पाकिस्तानी जहाज ने जानबूझकर भारतीय युद्धपोत को मारी टक्कर!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अरब सागर में सामने आई पाक नौसेना की गैर-जिम्मेदाराना हरकत

15 सितंबर की शाम को उत्तरी अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुई घटना

अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना की एक नापाक और गैर-जिम्मेदाराना हरकत सामने आई है। समुद्र में गश्त लगा रहे भारतीय नौसेना के युद्धपोत में पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज ने बेहद खतरनाक तरीके से टक्कर मार दी। इस घटना के बाद भारत सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए नई दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। घटना के तुरंत बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान को घेरा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह घटना 15 सितंबर की शाम को उत्तरी अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुई। भारतीय नौसेना का एक युद्धपोत अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपनी नियमित निगरानी और गश्त पर तैनात था। तभी

बीच समंदर में क्या हुआ?

पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अचानक तेज गति से भारतीय युद्धपोत के करीब आया और बेहद असुरक्षित तरीके से पैंतरेबाजी करने लगा। इस खतरनाक लापरवाही के कारण पाकिस्तानी जहाज भारतीय युद्धपोत से जा टकराया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में भारतीय युद्धपोत को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा है।

घटना के तुरंत बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान को घेरा। विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में पाकिस्तान के चार्ज डी अफेयर्स (सीडीए) को समन किया और उन्हें स्पष्ट संदेश दिया कि वे अपने अधिकारियों तक भारत की कड़ी आपत्ति पहुंचाएं। इसी के साथ इस्लामाबाद में मौजूद भारतीय दूतावास को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के सामने आधिकारिक विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

भारत पाकिस्तान में भी जताएगा आधिकारिक विरोध



1991 के सैन्य समझौते का खुला उल्लंघन

विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज का यह व्यवहार बेहद गैर-पेशेवर और असुरक्षित था। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि पाक जहाज की यह हरकत अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यासों, युद्धाभ्यास और सैन्य आवाजाही को लेकर हुए समझौते के अनुच्छेद 10 का सीधा उल्लंघन है। भारत ने साफ कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पाकिस्तानी सैन्य इकाइयों को दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का सम्मान करना होगा और सतर्कता बरतनी होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य तनाव कम करने, गलतफहमियों को दूर करने और संभावित आकस्मिक संघर्षों को रोकने के लिए 6 अप्रैल 1991 को नई दिल्ली में एक ऐतिहासिक समझौता हुआ था।

आर्टिकल 10 का उल्लंघन

इस समझौते के अनुच्छेद 10 में यह स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया गया है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दोनों देशों के नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों को किसी भी हादसे से बचने के लिए एक-दूसरे से कम से कम 3 नॉटिकल मील की सुरक्षित दूरी बनाए रखनी होगी।इसके तहत सीमाओं के पास होने वाले किसी भी बड़े सैन्य अभ्यास या जहाजों/सैनिकों की बड़ी आवाजाही की जानकारी पहले से साझा करना जरूरी है, ताकि कोई अप्रिय घटना या गलतफहमी न फैले।

खबर संक्षेप

एआई बढ़ा सकता है असमानता : गेट्स

न्यूयॉर्क। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने प्रौद्योगिकी कंपनियों और विश्व नेताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है कि कृत्रिम बुद्धिमत्तासामाजिक असमानताओं को कम करने का माध्यम बने, न कि उन्हें और गहरा करे। गेट्स फाउंडेशन ने एआई तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक अरब डॉलर देने की घोषणा की है।



सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध : ईयू प्रमुख

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को स्ट्रासबर्ग में अपने वार्षिक 'स्टेट ऑफ द यूरोपियन यूनियन' भाषण के दौरान 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और चैटबॉट्स के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा। यूरोपीय संघ प्रमुख ने कहा, 'मैं जानती हूं कि बहुत से लोग बड़ी प्रौद्योगिकियों की ताकत को इतना अधिक और अजेय मानते हैं कि मानो उससे बचानहीं जा सकता।



सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया सुनवाई का दायरा

वन की परिभाषा, 2023 के कानून की वैधता पर ही होगी सुनवाई

वन की परिभाषा को लेकर 2023 में किए गए बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई का दायरा साफ कर दिया। अदालत ने कहा कि वह फिलहाल 2023 के वन संरक्षण संशोधन कानून में 'वन' की परिभाषा की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामले तक ही सीमित रहेगी। वहीं किसी खास जमीन के वन होने या न होने से जुड़े विवादों की सुनवाई हाईकोर्ट करेंगे। अदालत ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश भी दिया है, जिन्होंने अभी तक ऐसी समिति गठित नहीं की है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सेवानिवृत्त वन अधिकारी अशोक शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं। सेवानिवृत्त वन अधिकारी अशोक शर्मा ने 2023 के कानून में वन की परिभाषा को चुनौती दी है। उनका कहना है कि नई परिभाषा से 1996 में टीएन गोदावर्मन मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय वन की समझ कमजोर हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह 1996 में दिए गए अपने फैसले में वन की परिभाषा को आधार बनाकर यह देखेगा कि संसद की ओर से तय नई परिभाषा में कोई विरोधाभास है या नहीं।



खास बातें

- खास जमीन के वन होने या न होने से जुड़े विवादों की सुनवाई करेंगे हाईकोर्ट
- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ पैनल गठित करने का निर्देश

1996 के फैसले से नई परिभाषा का संबंध

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दलील दी कि 1996 के टीएन गोदावर्मन फैसले के अनुसार 'वन' को उसके सामान्य या शब्दकोशीय अर्थ में समझा जाना चाहिए। उनका कहना है कि 2023 के बदलाव के बाद वन संरक्षण कानून में ऐसी जमीनों के बाहर होने की स्थिति बन सकती है जो वास्तव में वन जैसी हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में वन के रूप में दर्ज नहीं हैं।
याचिकाकर्ताओं ने आशंका जताई कि उजड़े हुए वन और निजी वन जैसी जमीनों को दूसरे कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है और इससे कुल वन क्षेत्र प्रभावित हो सकता है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह कहा

सुप्रीम कोर्ट ने उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ पैनल गठित करने को कहा है, जिन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। इन समितियों को जमीन का समेकित रिकॉर्ड तैयार करना होगा। इसमें वन जैसी जमीन, विशेषज्ञ समिति की ओर से चिन्हित क्षेत्र, अवर्गीकृत वन भूमि और सामुदायिक वन भूमि शामिल होगी। अदालत ने कहा कि यह प्रक्रिया वन संरक्षण नियम, 2023 के नियम 16(1) के तहत पूरी की जानी चाहिए।

अलग-अलग जमीन के विवाद कौन सुलझाएगा?

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि किसी व्यक्तिगत जमीन के टुकड़े से जुड़े विवादों की सुनवाई हाईकोर्ट में होगी। अदालत ने तमिलनाडु में 59 एकड़ जमीन से जुड़े मामले को मद्रास हाईकोर्ट भेज दिया। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि जमीन कृषि और बागान के लिए खरीदी गई थी, लेकिन 1922 की अधिसूचना के कारण वह अब भी निजी वन के रूप में दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में जमीन के पुराने इस्तेमाल, भौगोलिक स्थिति और दूसरे संबंधित तथ्यों को देखते हुए हाईकोर्ट फैसला करेंगे।

1.99 लाख वर्ग किलोमीटर वन भूमि का मुद्दा क्या?

फरवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट के सामने यह दावा रखा गया था कि 2023 में बदली गई वन की परिभाषा के कारण करीब 1.99 लाख वर्ग किलोमीटर वन भूमि कानून के दायरे से बाहर हो सकती है और दूसरे कामों के लिए उपलब्ध हो सकती है। इसके बाद अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से उनके क्षेत्र की वन भूमि का विवरण केंद्र को देने को कहा था। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को वन जैसी जमीन, अवर्गीकृत वन भूमि और सामुदायिक वन भूमि की जानकारी अपनी वेबसाइट पर डालने को कहा गया था। वहीं नवंबर 2023 में केंद्र ने अदालत से कहा था कि 1996 के टीएन गोदावर्मन फैसले में वन की परिभाषा के दायरे को कम करने का उसका कोई इरादा नहीं है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन हिंसा

जांच कर रहे पैनल का पुनर्गठन से इंकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'सवाल उठाना जल्दबाजी'



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर पर हुए स्टूडेंट्स के प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोपों की जांच कर रही हाई पावर्ड एनक्वायरी कमेटी (एचपीईसी) के पुनर्गठन की मांग खारिज कर दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी.मोहना की बेंच ने कहा कि कमेटी ने अभी जांच शुरू ही की है। अभी से आपत्ति जताना या सवाल उठाना जल्दबाजी है। शीर्ष अदालत ने एचपीईसी के पुनर्गठन के लिए कुछ पक्षों द्वारा दायर आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पैनल पर उनकी आपत्तियां समय से पहले थीं।

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, 'हमें कुछ हद तक चिंता के साथ यह कहना पड़ रहा है कि एचपीईसी पर जिस तरह से आरोप लगाए गए हैं, वह समय से पहले और जल्दबाजी में किए गए हैं।' अदालत ने कहा कि अनुरोध केवल अनुमान पर आधारित है, क्योंकि एचपीईसी ने अभी-अभी अपनी जांच शुरू की है। पीठ ने कहा कि यह सभी को समझना चाहिए कि एचपीईसी का गठन निष्पक्षता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के साथ और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाते हुए इस न्यायालय की सहायता के लिए किया गया है।

अगस्त में हुआ था गठन

सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय एचपीईसी का गठन 18 अगस्त को किया गया था। इस कमेटी का नेतृत्व शीर्ष अदालत के पूर्व जज आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। जिनकी अगुवाई में जंतर-मंतर और अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों की जांच करने का कार्य सौंपा गया है।

आदित्य ठाकरे ने आरोपों को किया खारिज

'मैं दिशा को नहीं जानता और न ही कभी मिला'

एजेंसी ▶▶ मुंबई



दिशा सालियान की मौत के मामले में नए सिरे से जांच के बाद बॉलीवुड दुनिया का ये सनसनीखेज मामला फिर से चर्चा में है। जांच के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज किया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि वह न तो कभी दिशा सालियान से मिले और न ही उन्हें जानते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब छह साल से कुछ लोग सियासी वजहों से और निजी मकसद से बिना किसी सबूत के उनका नाम इस मामले से जोड़ रहे हैं। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा की जून 2020 में मुंबई की एक ऊंची इमारत से गिरने के बाद मौत हो गई थी।

बदनाम करने की कोशिशो

ठाकरे ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, 'मैं दिशा सालियान से कभी नहीं मिला और न ही उन्हें जानता था।' उन्होंने कहा कि इस दुखद मामले से लगातार उनका नाम जोड़ना जानबूझकर और बिना सबूत उनके चरित्र हनन और बदनाम करने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग स्पष्ट राजनीतिक और व्यक्तिगत उद्देश्यों के साथ करीब छह साल से ऐसा कर रहे हैं।

दक्षिणी सूडान में सोने की खदान ढही, 67 की मौत

खार्तूम। अफ्रीकी देश सूडान से एक बड़े और दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। देश के एक सुदूरवर्ती इलाके में सोने की खदान ढहने से कम से कम 67 खनिकों की जान चली गई। हादसे के बाद से कई मजदूर मलबे में दबे हुए हैं, जिनकी तलाश के लिए राहत और बचाव कार्य लगातार चलाया जा रहा है। घटना वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नूहूद शहर के पास स्थित अल-जारा सोने की खदान की है।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध
94060-21769

यूएपीए के तहत प्रतिबंधित

पाक का शहजाद भट्टी नेटवर्क घोषित हुआ आतंकी संगठन

एजेंसी ▶▶ नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। शाह ने 'एक्स' पर कहा, 'यह समूह सीमापार हथियारों, विस्फोटकों और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है। इसके अलावा यह युवाओं और अपराधियों को आतंकवाद के लिए उकसाता है। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और सांप्रदायिक सौहार्द के ताने-बाने को निशाना बनाते हुए, इस गिरोह ने नफरत फैलाने वाली डिजिटल सामग्री भी प्रकाशित की।'



एसबीएन इस सूची में 46वां संगठन

यूएपीए के तहत किसी संगठन को पहली अनुसूची में शामिल करने से वह औपचारिक रूप से भारतीय कानून के तहत 'आतंकवादी' घोषित संगठनों की सूची में आ जाता है। एसबीएन इस सूची में 46वां संगठन है। अधिसूचना के अनुसार एसबीएन प्रलोभन देकर 'भोले-भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने', उन्हें राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए उकसाने और अन्य प्रतिबंधित संगठनों तथा इसी तरह नामित संस्थाओं के साथ मिलीभगत कर राष्ट्र-विरोधी कृत्यों के लिए संसाधन जुटाने में शामिल है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर
गुरुवार 17 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष षष्ठी
वर्ष : 25, अंक : 58
पृष्ठ : 16+8 = 24 मूल्य : 5.00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 33.4
न्यून. 26.2



सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

छग सरकार का बड़ा फैसला: राजस्व रिकॉर्ड में 'चमार' या 'मोची' दर्ज होने पर भी मिलेगा 'रोहिदास' जाति प्रमाण पत्र

जिया कुरैशी ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ शासन ने अनुसूचित जाति वर्ग के नागरिकों को एक बड़ी राहत प्रदान करते हुए जाति प्रमाणपत्र को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के पूर्वजों के राजस्व अभिलेखों (रेवेन्यू रिकॉर्ड) में 'चमार' या 'मोची' दर्ज है, तब भी निर्धारित प्रक्रिया और जांच के आधार पर उन्हें 'रोहिदास' जाति का प्रमाण पत्र ⏭शेष पेज 10 पर

क्या थी मुख्य प्रशासनिक समस्या

सरकार के संज्ञान में यह बात आई थी कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति की सूची के सरल क्रमांक 14 पर 'चमार', 'चमारी', 'मोची', 'रोहिदास' समेत कई जातियां एक ही समूह में शामिल हैं। राज्य के कतिपय जिलों में 'रोहिदास' जाति से ताल्लुक रखने वाले लोगों के पुराने राजस्व अभिलेखों में 'चमार' या 'मोची' दर्ज होने के कारण उन्हें 'रोहिदास' जाति का नया प्रमाण पत्र प्राप्त करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर

क्र. GENS/27752/2026-GAD-3, नवा रायपुर, दिनांक14-09-2026

प्रति

शासन के समस्त विभाग,
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राजस्व मण्डल बिलासपुर,
समस्त संभागीय आयुक्त,
समस्त विभागाध्यक्ष,
समस्त जिलाध्यक्ष,
छत्तीसगढ़।

विषयः- अनुसूचित जाति के अंतर्गत आने वाले "चमार" अथवा "मोची" जाति के लोगों को "रोहिदास" जाति के नाम से जाति प्रमाण पत्र जारी करने बाबत।

संवैधानिक अधिकारों पर नहीं पड़ेगा असर

सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि चमार, मोची और रोहिदास— सभी जातियां केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अधिसूचित अनुसूचित जाति की सूची में शामिल हैं। चूंकि ये सभी एक ही अधिसूचित समूह का हिस्सा हैं, इसलिए दस्तावेजों में नाम के अंतर से इनके संवैधानिक अधिकारों और प्रावधानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

क्या होगी प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया?

शासन द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक, यदि कोई आवेदक 'रोहिदास' जाति का प्रमाण पत्र मांगता है और उसके पूर्वजों के राजस्व रिकॉर्ड में 'चमार' या 'मोची' दर्ज है, तो सक्षम अधिकारी इसकी विधिवत जांच करेंगे। अधिकारियों को 1 अगस्त 1996 को जारी सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र के परिशिष्ट की कंडिका 6 में उल्लिखित जांच के आधार बिंदुओं के तहत परीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। यदि जांच में यह पुष्ट हो जाता है कि संबंधित अभ्यर्थी वास्तव में 'रोहिदास' जाति से ही है, तो उन्हें बिना किसी बाधा के 'रोहिदास' जाति का प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा।

अब कोई कठिनाई नहीं होगी

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सनम जांगड़े का कहना है कि यह



राज्य सरकार की एक बहुत अच्छी पहल है। जो लोग चमार या मोची लिखते हैं उन्हें रोहिदास जाति का जाति प्रमाण पत्र मिलने में कठिनाई होती है जो अब नहीं होगी। सरकार एवं मुख्यमंत्री की यह पहल स्वागत योग्य है।

सबसे कम कीमत पर
Machine Made Jewellery
1.99% Making Charges
ANAND Gold
Pandri

Vinh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सेना प्रमुख सेठ तीन दिवसीय रूस दौरे पर

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ बुधवार से तीन



दिवसीय रूस यात्रा पर हैं। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक रक्षा सहयोग और सेनाओं के बीच संबंधों को और मजबूत करना है।

हादसे में परिवार के चार सदस्यों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक एमयूवी के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने के बाद एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और छह घायल हो गए। मुंबई के जोगेश्वरी का यह परिवार नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर में भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रहा था। मुंबई-नासिक राजमार्ग पर अटगांव के पास यह हादसा अपराह्न में हुआ।

अयोध्या में पिता के नाम पर अमिताभ बनाएंगे धर्मशाला

अयोध्या। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में प्रस्तावित



एक धर्मशाला के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण को भवन-योजना प्रस्तुत की है। इसका नाम उनके पिता, प्रसिद्ध कवि तथा पूर्व राज्यसभा सदस्य हरिवंश राय बच्चन के नाम पर रखा जाएगा।

एक किलो सोने के साथ बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक के पास से 1.88 करोड़ रुपए मूल्य का एक किलो से अधिक सोना बरामद किया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह व्यक्ति 12 सितंबर को जेद्दा से आया था और उसे ढाका के लिए यात्रा करनी थी।

उत्तर-पश्चिमी नेपाल में दो बार आया भूकंप

काठमांडू। उत्तर-पश्चिमी नेपाल में लगातार दो बार भूकंप आया। हालांकि, भूकंप से अभी तक

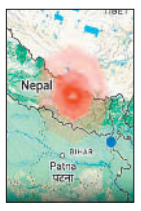

किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। पहले भूकंप की तीव्रता 4.5 थी और यह स्थानीय समयानुसार मंगलवार देर रात एक बजकर 51 मिनट पर दर्ज किया गया। वहीं दूसरे भूकंप की तीव्रता 4.2 थी।

51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को होगा फायदा

केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला, आज से ही लागू होगा नया नियम

बड़ी खुशखबरी, पीएफ पर सैलरी लिमिट 15 हजार से हुई 25 हजार

केंद्र सरकार ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए वेतन सीमा को मौजूदा के 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह करने को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य अधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि बचत और पेंशन सुरक्षा के दायरे में लाना है। इस फैसले से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को फायदा होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, भविष्य निधि कटौती के लिए अब 25,000 रुपए प्रति माह वेतन की नई सीमा होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल के इस फैसले से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफओ के दायरे में आ सकते हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा, संशोधित वेतन सीमा 17 सितंबर, 2026 यानी 'विश्वकर्मा पूजा' के दिन से प्रभावी होगी। ईपीएफओ की वेतन सीमा 2004 से 2014 के बीच अपरिवर्तित रही थी और सितंबर, 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपए प्रति माह किया गया था। सितंबर, 2014 से पहले वेतन सीमा 6,500 रुपए प्रति माह थी। सरकार ने कहा कि पिछले वर्षों में वेतन और आय में लगातार ⏭शेष पेज 10 पर

■ कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के पीएफ में 12 साल बाद बदलाव

श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' लिखा, मंत्रिमंडल का यह फैसला देश के श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा और संगठित क्षेत्र के रोजगार को भी गति देगा। उन्होंने कहा, मैं देश के सभी श्रमिकों को बताना चाहता हूं कि कल विश्वकर्मा पूजा और सेवा दिवस दोनों का पावन अवसर है। यह महत्वपूर्ण फैसला इसी शुभ दिन से लागू होगा।



ईपीएफओ का नया गणित

विवरण	पहले	अब	अतिरिक्त राशि
वेतन	₹15,000	₹25,000	₹10,000
कर्मचारी का EPF योगदान (12%)	₹1,800	₹3,000	₹1,200
नियोक्ता का EPF योगदान (3.67%)	₹550.50	₹917.50	₹367
नियोक्ता का EPS योगदान (8.33%)	₹1,249.50	₹2,082.50	₹833
EPF + EPS में कुल मासिक योगदान	₹3,600	₹6,000	₹2,400
कुल योगदान में कर्मचारी का हिस्सा	₹1,800	₹3,000	₹1,200
कुल योगदान में नियोक्ता का हिस्सा	₹1,800	₹3,000	₹1,200

दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था

ईपीएफओ दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाओं में से एक का संचालन करता है। यह कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) का संचालन करता है। ईपीएफओ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, करीब 7.98 करोड़ सदस्य लगभग 7.68 लाख प्रतिष्ठानों से जुड़े हैं। ईपीएस के तहत करीब 82 लाख पेंशनधारकों को पेंशन लाभ मिलता है।

ये फायदे

1- उन्हें कर्मचारी भविष्य निधि के तहत नियमित बचत का लाभ मिलेगा। अब 25,000 रुपए की सैलरी वाले भी इस दायरे में आएंगे।

2- कर्मचारी पेंशन योजना के जरिए रिटायरमेंट के बाद पेंशन सुरक्षा मिलेगी। न्यूनतम 10 साल की सेवा पूरी करने पर 58 वर्ष की आयु के बाद आजीवन मासिक पेंशन मिलेगी।

3- कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना के तहत बीमा सुरक्षा भी उपलब्ध होगी। ये स्कीम नौकरी में रहने के दौरान किसी तरह की अनहोनी होने पर परिवार का सहारा बनती है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आज जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन के मौके पर देशभर में 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी के कर्तव्य पथ पर 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के तहत गुरुवार शाम को सवा लाख दिए जलाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के हर परिवार से शाम छह बजे से सात बजे के बीच अभियान के तहत दीया जलाने और मोदी के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और मां भारती की सेवा में निरंतर शक्ति के लिए प्रार्थना करने की अपील की है।

उज्जैन में 'आशीर्वाद का दीया' जलाएंगे भाजपा अध्यक्ष

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन और 25 वर्षों की उनकी समर्पित सार्वजनिक सेवा के उपलक्ष्य में गुरुवार को उज्जैन के रामघाट पर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित करेंगे। नवीन मध्यप्रदेश की दो दिन की यात्रा पर इंदौर में 'स्वामित्व योजना' के तहत एक बड़े राज्यव्यापी लोक कल्याण अभियान की भी शुरुआत करेंगे।

छत्तीसगढ़ में भी जलेगा आशीर्वाद का दीया

छत्तीसगढ़ में भाजपा अलग-अलग जिलों में कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है। कहीं सेवा अभियान चलेगा तो कहीं दीये जलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 76वें जन्मदिन मनाया जाएगा। रायपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत मरीन ड्राइव में 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम होगा। इसके तहत 25 लाख दीये जलाए जाएंगे।

यूपीआई चार्ज पर सुप्रीम कोर्ट से गुहार, सरकार ने कहा- नहीं बदलेंगे फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यूपीआई लेनदेन पर चार्ज का मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। एक ओर चार्ज लगाने के फैसले पर पुनर्विचार की मांग उठ रही है, तो दूसरी ओर सरकार ने साफ कर दिया है कि इस फैसले को वापस लेने का फिलहाल कोई सवाल नहीं है। इससे डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों यूजर्स और पेमेंट कंपनियों की नजर अब आगे की कानूनी और सरकारी कार्रवाई पर टिकी है। केंद्र सरकार के 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) लागू करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत में दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि यह शुल्क पर्याप्त कानूनी सुरक्षा उपायों, पारदर्शिता और सार्वजनिक परामर्श के बिना लागू किया गया है।

■ याचिकाकर्ता बोले- सार्वजनिक परामर्श के बिना किया गया लागू



शुल्क लगाने का फैसला वापस नहीं होगा

सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करने या इसे वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता है। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बड़े यूपीआई भुगतान पाने वाले व्यापारियों पर प्रस्तावित शुल्क 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) को वापस लेने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह फैसला लिया जा चुका है और इसे पलटने का सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों में भी ऐसी शुल्क व्यवस्था है और नई एमडीआर व्यवस्था यूपीआई को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी।

इधर, एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी भी

इधर, बड़े यूपीआई भुगतान पर 15 अक्टूबर से लगने वाले 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) पर 18 प्रतिशत की दर से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी लगेगा। हालांकि, जीएसटी में पंजीकृत कारोबारी इस कर के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा कर सकेंगे। मसलन, 5,000 रुपए के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत के हिसाब से 20 रुपए एमडीआर बनेगा जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी यानी 3.60 रुपए का कर लगेगा।

चांदी पर 35 रुपए शुल्क बरकरार

सोने का हॉलमार्किंग शुल्क अब 75 रुपए

एजेंसी ⏭ मुंबई

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने त्योहारों से पहले सोने के आभूषण का हॉलमार्किंग शुल्क बढ़ाकर 75 रुपए कर दिया है, जबकि चांदी के लिए यह शुल्क 35 रुपए पर बरकरार रखा गया है। यह संशोधित हॉलमार्किंग शुल्क तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अबतक सोने के आभूषण का हॉलमार्क का निशान लगाने का शुल्क 45 रुपए था। यह बढ़ोतरी 14 सितंबर, 2026 को अधिसूचित बीआईएस (हॉलमार्किंग) संशोधन विनियम, 2026 के तहत की गई है।



पीएससी ने स्थगित की साक्षात्कार प्रक्रिया मूल्यांकन पर सवालों के बीच जारी हुआ आदेश

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने उठाए थे मूल्यांकन प्रक्रिया पर सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने आदेश जारी कर 20 सितंबर से प्रारंभ होने वाली साक्षात्कार प्रक्रिया स्थगित कर दी है। पूर्व में जारी अधिसूचना के अनुसार, दस्तावेज सत्यापन सह साक्षात्कार प्रक्रिया 20 सितंबर से प्रारंभ होकर एक अक्टूबर तक आयोजित की जानी थी।नई तिथि पीएससी द्वारा पृथक रूप से जारी की जाएगी। पीएससी द्वारा जारी अधिसूचना में साक्षात्कार स्थगित किए जाने के पीछे अपरिहार्य कारणों का जिक्र किया गया है। सूत्रों के अनुसार, साक्षात्कार स्थगन का निर्णय पूर्व सीएम भूपेश बघेल द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने ⏭शेष पेज 10 पर

खास खबर

■ 20 सितंबर से प्रारंभ होने थे साक्षात्कार भरे जाएंगे 20 विभागों के 265 पद

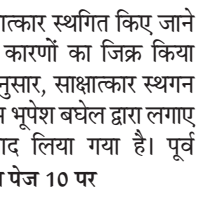

न्यूनतम अंक को लेकर भी मांगा स्पष्टीकरण

पूर्व मुख्यमंत्री ने उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ अभ्यर्थियों की कॉपियों में सही उत्तर लिखने वालों को कम नंबर और गलत उत्तर लिखने वालों को ज्यादा अंक दिए गए हैं। पांच विभिन्न पेपर में ऐसी अनियमितता देखी गई है, जहां सही और गलत दोनों उत्तरों के लिए समान अंक बांट दिए गए। उन्होंने साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की संख्या पर भी सवाल उठाए। साल 2025 की पीएससी परीक्षा में कुल ⏭शेष पेज 10 पर

पांच दशकों में 250 से अधिक फिल्मों में अभिनय

अभिनेता अनंत को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हिंदी और कन्नड़ सिनेमा में 'मिंचिना ओटा', 'हंसगीते', 'अंकुर' और 'मंथन' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले दिग्गज अभिनेता पद्म भूषण अनंत नाग को 2024 के दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सरकार ने बुधवार को यह घोषणा की। पांच दशकों के फिल्मी सफर में 250 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता अनंत नाग (78) रंगमंच की दुनिया की भी जानी-मानी शख्सियत हैं।



पांच बार कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार

अनंत नाग को उनके अभिनय के लिए कई महत्वपूर्ण सम्मान मिल चुके हैं। उनके करियर में पांच कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार भी शामिल हैं। इसके अलावा वर्ष 2025 में भारत सरकार ने उन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

फिल्मी सफरनामा

- अनंत नाग ने अपने करियर में 250 से ज्यादा फिल्में की
- फिल्म इंडस्ट्री के महान कलाकारों में गिने जाते हैं अनंत
- ज्यादातर कन्नड़ फिल्मों में काम किया
- वे हिंदी, मराठी, तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्में की
- अनंत- 'अंकुर', 'गौरी गणेश', 'मिनचिना ओटा', 'बेलादिंगाला बाले', और 'केजीएफ' जैसी शानदार फिल्मों में नजर आए

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनंत नाग को इस सम्मान के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अनंत नाग ने कई दशकों तक अपने शानदार अभिनय और अलग-अलग किरदारों के जरिए भारतीय सिनेमा, खासकर कन्नड़ सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी है।

सेंसर बोर्ड में पंकज प्रीति और शेट्टी की एंट्री

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन का पुनर्गठन कर दिया है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी इस फैसले में सिनेमा, टीवी, संगीत और कला जगत की कई नामचीन हस्तियों को शामिल किया गया है। 18 सदस्यों की इस नई कमिटी में एक्ट्रेस प्रीति जिंटा, सुनील शेट्टी, टीवी स्टार रूपाली गांगुली, पल्लवी जोशी, पंकज त्रिपाठी और बंगाली सिनेमा के दिग्गज एक्टर प्रसेनजीत चटर्जी जैसे बड़े चेहरे शामिल किए गए हैं। इस नए बोर्ड का कार्यकाल पद संभालने के दिन से अगले तीन साल या फिर नए आदेश आने तक के लिए रहेगा. यह नई कमिटी तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।

चिंतन

एमडीआर का बोझ तो ग्राहक पर ही पड़ेगा



पड़ोस
प्रो. डॉ. मनोज दयाल

यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त लागत का सवाल केवल व्यापारियों की चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर बाजार, कीमतों और अंततः आम ग्राहक की जेब पर ही पड़ने वाला है। यही वजह है कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर को लेकर उठी आशंकाओं को गंभीरता से समझने की जरूरत है। नियम चाहे कुछ भी कहें कि एमडीआर सीधे ग्राहक से नहीं वसूला जाएगा, लेकिन बाजार की हकीकत इससे अलग होती है। कारोबारी की लागत बढ़ती है तो वह उसे लंबे समय तक अपनी जेब से नहीं भरता। उसका असर किसी न किसी रूप में वस्तु की कीमत, छूट, मार्जिन या सेवा शुल्क में दिखाई देता है। व्यापारी या तो अपना मार्जिन घटाता है या ग्राहक को मिलने वाली छूट कम करता है। अंततः अतिरिक्त बोझ ग्राहक को भुगतना होता है। त्योहारी मौसम में इसका असर और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इस समय बाजार में खरीदारी बढ़ती है और दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान वाले लेनदेन भी सामान्य होते हैं। यदि ऐसे भुगतान व्यापारियों के लिए महंगे होते हैं तो वे लागत कम करने के लिए दूसरे विकल्प तलाशेंगे। दिल्ली के विभिन्न बाजार संगठनों से सामने आई प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि कुछ व्यापारी नकद भुगतान को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल इंडिया की उस दिशा के विपरीत होगी, जिसमें कम नकद और अधिक डिजिटल भुगतान की संस्कृति विकसित करने पर लगातार जोर दिया गया है। वहीं, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। त्योहारी सीजन में यदि बड़ी संख्या में ग्राहक डिजिटल भुगतान के बजाय नकद का इस्तेमाल करने लगे तो बैंकों और एटीएम पर दबाव बढ़ेगा। पर्याप्त नकदी उपलब्ध नहीं हुई तो ग्राहकों को परेशानी होगी। बाजार में भुगतान का प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह होगी कि कहीं ऐसी स्थिति डिजिटल भुगतान की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े न कर दे। जिस यूपीआई को सुविधा और भरोसे का पर्याय बनाया गया है, उसके इस्तेमाल में लागत का सवाल लोगों को फिर से नकद की ओर धकेल सकता है। व्यापारियों की परेशानी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कम मार्जिन पर काम करने वाले छोटे और मध्यम दुकानदारों के लिए हर लेनदेन पर लगने वाली छोटी लागत भी महीने और साल के हिसाब से बड़ा खर्च बन सकती है। व्यापारी पहले से कार्ड भुगतान और अन्य लेनदेन शुल्क की शिकायत करते रहे हैं। ऐसे में नई लागत को लेकर उनकी चिंता स्वाभाविक है। सरकार और भुगतान व्यवस्था से जुड़े संस्थानों के सामने चुनौती यही है कि डिजिटल भुगतान की रफ्तार भी बनी रहे और व्यापारियों पर अनावश्यक लागत का दबाव भी न पड़े। इसका समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें ग्राहक, व्यापारी और डिजिटल भुगतान व्यवस्था तीनों के हितों का संतुलन हो। यदि भुगतान की लागत बढ़ती है और व्यापारी नकद की ओर लौटने लगते हैं तो इसका असर केवल दुकानदार तक सीमित नहीं रहेगा। कीमतों पर दबाव बढ़ेगा, ग्राहक की जेब प्रभावित होगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी धीमी पड़ सकती है। इसलिए एमडीआर को लेकर फैसला करते समय केवल शुल्क की वसूली नहीं, उसके पूरे बाजार प्रभाव को देखना होगा। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की नीति तभी सफल होगी, जब वह व्यापारी और ग्राहक दोनों के लिए सुविधाजनक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनी रहे।

भारत-चीन साझेदारी का नया अध्याय

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है| पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर 'प्रतिद्वंदिता' के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।

जब वाशिंगटन टैरिफ की दीवारें खड़ी कर रहा हो, तब नई दिल्ली और बीजिंग के बीच पुल बनना केवल दो देशों की घटना नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के बदलने का संकेत है। भारत और चीन के बीच हाल ही में बनी सार्थक सहमति इसी बदलाव का नाम है। यह सहमति महज एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि एशियाई शताब्दी का घोषणापत्र है।

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर 'प्रतिद्वंदिता' के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ - इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबोरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलर तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा।

इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठे हैं और 'रीस्टार्ट' (फिर से शुरुआत) से 'नई ऊंचाई' की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं, व्यापार की मात्रा रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान अधिक गतिशील हो रहा है। दुनिया जानती है कि कई पश्चिमी शक्तियां चाहती हैं कि भारत को चीन के खिलाफ एक फ्रंटलाइन स्टेट बना दिया जाए, एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाए। भारत ने स्पष्ट कर दिया - हम किसी के मोहरे नहीं हैं। हम किसी के कहने पर न दोस्ती करते हैं, न दुश्मनी। भारत ने चीन को भरोसा दिया है कि दलाई लामा से लेकर किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर भारत की धरती का दुरुपयोग नहीं होगा। बदले में भारत को उम्मीद है कि चीन भी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में



भारत के कोर इंटरेस्ट का ख्याल रखेगा। यह बराबरी की बात है, झुकाव की नहीं। यह भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में एक आत्मविश्वासी कदम है। भारत की ओर शांति शांति है, पर सतर्कता में रत्ती भर ढील नहीं है।

कुछ लोग इस समझौते को 1962 से पहले वाली भावुकता समझ रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए - यह 2026 का भारत है। हां, यह सच है कि सीमा पर सैनिकों की संख्या कम हुई है, गश्त के नियम तय हुए हैं, बफर जोन पर सहमति बनी है और एलएसी पर तनाव घटा है। यह स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे हर साल हजारों करोड़ रुपये का सैनिक खर्च बचेगा और जवानों को राहत मिलेगी। पर इसका अर्थ यह कतई नहीं कि भारत ने आंखें मूंद ली हैं। पिछले चार सालों में भारत ने सीमा पर जो किया है, वह 70 सालों में नहीं हुआ - ऑल वेदर रोड, सुरंगें, नए एयरफील्ड, सैटेलाइट निगरानी और सेना का आधुनिकीकरण। वह सब जारी रहेगा, और तेज होगा। हमारी नीति साफ है - बातचीत भी, तैयारी भी। विश्वास भी, सत्यापन भी। हम हाथ बढ़ा रहे हैं, पर हाथ में लाठी रखना नहीं भूल रहे। हम गले भी मिल रहे हैं, पर आंखें खोलकर। यह चाणक्य नीति है, और यही असली कूटनीति है। शांति की पहल हो, पर सुरक्षा से कोई समझौता नहीं। अब यह भारत, चीन, रूस विरोधी अमेरिकी तानाशाही में और भी अधिक प्रासंगिक है। इस समझौते की टाइमिंग को समझिए। यह तब आया है जब अमेरिका अपनी टैरिफ नीति से पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अमेरिका ने भारत के स्टील, एल्युमिनियम और फार्मा उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा दिया है। चीन पर तो 100 प्रतिशत से अधिक ड्यूटी थोप दी गई है। रूस पर प्रतिबंध हैं। अमेरिका डॉलर और अपनी तकनीक को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को अपनी शर्तों पर व्यापार करने को मजबूर करना चाहता है।

ऐसे में भारत और चीन के पास दो ही रास्ते हैं - या तो अलग-अलग रहकर अमेरिका की मनमानी सहते रहें, या एक साथ आकर अपना खुद का रास्ता बनाएं और समझदार देश दूसरा रास्ता चुनते हैं। यदि भारत और चीन आपस में व्यापार बढ़ाते हैं, अपनी मुद्रा में कारोबार करते हैं, ब्रिक्स और एससीओ को मजबूत करते हैं, तो अमेरिका की टैरिफ की दीवार अपने आप बेमानी हो जाएगी। जब वाशिंगटन बाजार बंद करेगा, तो नई दिल्ली और बीजिंग एक-दूसरे के लिए बाजार खोल देंगे। इसलिए यह समझौता केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की एकजुटता का प्रतीक है। यह अमेरिका को सीधा संदेश है - एशिया अब तुम्हारी टैरिफ धमकियों से नहीं डरेगा। एशिया अपना भविष्य खुद लिखेगा। अब यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या फिर से 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का युग लौटेगा? 1954 में नारा लगा था - हिंदी-चीनी भाई-भाई। वह नारा भावुकता में लगा था और इसलिए 1962 में टूट गया। क्या वह युग फिर लौटेगा? जवाब है - हां, पर नए रूप में।

अब वह भोला भाई-भाई नहीं होगा। अब वह प्रैक्टिकल भाई-भाई होगा। अब आंखें बंद करके गले नहीं मिलेंगे, आंखें खोलकर हाथ मिलाएंगे। अब नारे नहीं, समझौते होंगे। अब भावुकता नहीं, बराबरी होगी। नया नारा होगा - 'हिंदी-चीनी, सहयोगी-सहकारी ।' यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है। और तब यह सार्थक सहमति इतिहास में एक मील के पत्थर के तौर पर याद की जाएगी।

(लेखक कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जयंती पर विशेष
रमेश सर्राफ



सृष्टि के पहले इंजीनियर माने जाते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देशभर में स्थित कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है ताकि श्रम और कौशल का सम्मान किया जा सके और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे, जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किए बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। औद्योगिक श्रमिकों द्धारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आनंदमय कोष की प्राप्ति



संकलित
दर्शन

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रुधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत्व भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है। दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरों तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाह्य और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

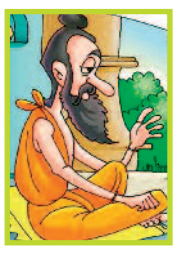

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते मे जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे। आखिर लालच ही बुरी बला है।

अंतर्मन



आज की पाती

मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका बढ़ने वाली है। - *अशोक साहू, दुर्ग*

ट्रेंड

फाल्के पुरस्कार



जाने-माने अभिनेता अनंत नाग को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई। उन्होंने अपने हर किरदार में बेजोड़ अभिनय और जान डाल दी है। एक महान कलाकार के लिए यह सचमुच बहुत ही योग्य सम्मान है। - **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

वेतन सीमा



केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आज कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति माह करने की ऐतिहासिक मंज़ूरी अत्यंत सराहनीय है।
- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उत्तर प्रदेश

डिजिटल पेमेंट टैक्स



मोदी सरकार की लूट अब यूपीआई तक पहुंच गई है। यूपीआई पर कोई फीस नहीं" वाली बात को बदलकर "2,000 तक के ट्रांजेक्शन पर कोई फीस नहीं" कर दिया गया है। बीजेपी सरकार जनता पर "डिजिटल पेमेंट टैक्स" लगाने की योजना बना रही है।
- **मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

सच



झारखंड के छात्र हमारे राज्य का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अस्वीकार्य है। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत आने वाले कॉलेजों के छात्र परीक्षा प्रणाली जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। -**अर्जुन मुंडा,** पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

करंट अफेयर

एआई में चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी अंतर हुआ कम



कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विकास के संभावित जोखिमों पर दुनिया में बहस तेज होने के बीच अमेरिका और चीन अधिक शक्तिशाली एआई मॉडल विकसित करने की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका कई वर्षों तक एआई मॉडल की क्षमता, शोध और अन्य क्षेत्रों में चीन सहित अन्य देशों से आगे रहा है। हालांकि, चीन अब तेजी से इस अंतर को कम कर रहा है। अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण चीन को अत्याधुनिक चिप और उन्हें बनाने वाली मशीनों सहित कुछ उन्नत प्रौद्योगिकियों तक पहुंच नहीं है। स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन-सेंटर्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक जानकार सहित विशेषज्ञों और हालिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन एआई के क्षेत्र में अमेरिका के लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है और इस साल उसने अमेरिकी बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज के सैम सैक्स ने कहा, 'अमेरिकी और चीनी मॉडलों के बीच अंतर कम और अस्थिर है।' एआई को लेकर यह बहस ऐसे समय हो रही है जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के इस महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन आने की उम्मीद है।

ऑफ बीट

ग्रीनलैंड -अंटार्कटिका से 12,000 अरब टन से ज्यादा बर्फ पिघली



एक प्रमुख वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार, 1979 से ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के हिमनदों से लगभग 12500 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है। यह इतनी ज्यादा बर्फ है कि इससे पूरे अमेरिकी महाद्वीप में बर्फ की पांच फुट की परत बिछाई जा सकती है। बुधवार को 'साइंटिफिक डेटा' पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक, धरती के गर्म होने से ग्रह की दो बड़ी बर्फ की चादरों (आइस शीट्स) के पिघलने की रफ्तार बढ़ रही है। पिघलने वाली बर्फ का छह में से पांचवां हिस्सा गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि गर्म पानी की वजह से पिघल रहा है जो नीचे और किनारों से बर्फ की चादरों को काट रहा है, और हिमनद समुद्र में बह रहे हैं। अध्ययन करने वालों का कहना है कि भविष्य में समुद्र का जलस्तर बढ़ने के लिहाज से यह बुरी खबर है। अध्ययन के सह-लेखक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन के हिम वैज्ञानिक एरिक रिग्नोट ने कहा, "बर्फ की चादरें तेजी से पिघल रही हैं। हम ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ खो रहे हैं, समुद्र का जलस्तर दुनियाभर में बढ़ रहा है और इससे तटीय क्षेत्रों की असुरक्षा और बढ़ेगी। पिघलने की प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

MARUTI SUZUKI

NEXA

MAKE YOUR MOVE BEFORE THE PRICE DOES.

Prices are rising soon. Lock in your **e VITARA** today.




INDIA'S LARGEST**
FAST-CHARGING NETWORK

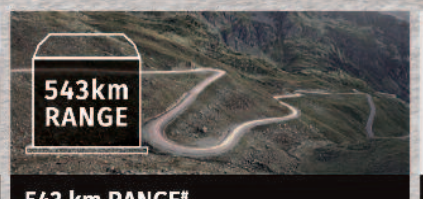

543 km RANGE#

BHARAT NCAP
5 STAR SAFETY RATING BNCAP

NEXA edge
60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS
8 YEARS WARRANTY
• BATTERY: 8 YEARS
• VEHICLE: 3+5(PAID) YEARS

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

e VITARA
India goes electric

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. | Applicable T&C available at the dealership. | **As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components. Offers are subject to availability of stock, and valid till limited period.

गुजरात के वडनगर से विश्व पटल तक

जीवन के 76 ऐतिहासिक पड़ाव

गुजरात के वडनगर की साधारण गलियों से उठकर भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार देश की कमान संभालने तक, नरेंद्र मोदी की जीवन-यात्रा स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक असाधारण और स्वर्णिम अध्याय है। संघ के निष्ठावान प्रचारक और कुशल संगठनकर्ता के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के बाद, उन्होंने लगभग 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास और सुशासन का एक नया मॉडल पेश किया। 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने के बाद से, उन्होंने देश को न केवल प्रशासनिक और संवैधानिक स्तर पर नई दिशा दी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जन-धन, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के ऐतिहासिक कायाकल्प से लेकर अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण, राम मंदिर निर्माण और G20 की सफल अध्यक्षता तक—उनके फैसले दूरगामी और युगांतकारी साबित हुए हैं। 76वें वर्ष में प्रवेश करते हुए, उनकी यह 76 ऐतिहासिक पड़ावों की श्रृंखला एक दूरदर्शी जननेता की अदम्य इच्छाशक्ति, जन-सेवा, राष्ट्र-प्रथम की सोच और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की एक सजीव गाथा है।



नरेंद्र मोदीः जीवन के 76 पड़ाव

1. 17 सितंबर 1950 —गुजरात के वडनगर (मेहसाणा) में जन्म। वे स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।
2. वडनगर से राष्ट्रीय राजनीतिः साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की राजनीति के शीर्ष तक की यात्रा।
3. किशोरावस्था में संघ से जुड़े और पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में संगठनात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
4. 1975 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की बहाली के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी।
5. आपातकाल के दौरान पहचान बदलकर संगठन और संपर्क बनाए रखने का काम किया।
6. संघ में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालते हुए अपनी रणनीति और संगठन कौशल को मजबूत किया।
7. 1987 में भाजपा में औपचारिक प्रवेशः गुजरात भाजपा के संगठन महामंत्री के रूप में राजनीतिक पारी शुरू की।
8. भाजपा को अहमदाबाद नगर निगम में पहली ऐतिहासिक जीत दिलाने में मुख्य रणनीतिकार की भूमिका निभाई।
9. 1990 गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका।
10. 1995: भाजपा ने 121 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई; मोदी को संगठन क्षमता राष्ट्रीय स्तर पर पहचानी गई।
11. गुजरात में सफलता के बाद उन्हें नई दिल्ली बुलाकर राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गईं।
12. हरियाणा-हिमाचल प्रदेश के प्रभारीः उत्तर भारतीय राज्यों में पार्टी के संगठन को मजबूत किया।
13. 7 अक्टूबर 2001: पहली बार गुजरात के सीएम के रूप में कमान संभाली।
14. 2001 के विनाशकारी भूकंप के बाद राज्य के पुनर्निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास का नेतृत्व।
15. 2002 में सीएम के रूप में पहली बार बहुमत से सरकार में वापसी की।
16. 2007 में विकास के एजेंडे पर लगातार दूसरी बार गुजरात में जीत दर्ज की।
17. 2012 में लगातार तीसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनादेश हासिल किया।
18. अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक लगभग 12 वर्ष 7 महीने गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।
19. वैश्विक निवेश और उद्योगों को आकर्षित करने के लिए वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक निवेश सम्मेलन की नींव रखी।
20. ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए अलग विद्युत फीडर व्यवस्था लागू की।
21. किसानों तक आधुनिक तकनीक, बीज और सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए व्यापक कृषि मेलों का आयोजन।
22. पारदर्शी प्रशासन और सरकारी सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक प्रयोग।
23. औद्योगिक विकास का गुजरात मॉडलःबुनियादी ढांचे, बिजली, सड़क और व्यापार को एकीकृत किया।
24. गुजरात को देश के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक राज्यों में स्थापित करने के लिए नीतिगत पहल की।
25. कच्छ और सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए नहर नेटवर्क का विस्तार किया।
26. 2012-13 के दौरान गुजरात के प्रशासनिक और आर्थिक मॉडल को राष्ट्रीय राजनीति में विकास के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।
27. 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 282 सीटें जीतीं; 30 वर्षों में पहली बार किसी एक दल को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला।
28. 26 मई 2014 में भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।
29. शपथ ग्रहण समारोह में सार्क और पड़ोसी देशों के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित किया।
30. पीएम जनधन योजना की शुरुआत कर हर व्यक्ति के लिए वित्तीय दरवाजे खोले।
31. स्वच्छता को राष्ट्रीय जन-आंदोलन बनाया, 2 अक्टूबर 2019 तक ग्रामीण भारत को खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य रखा।
32. योग दिवस : संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा गया, जिसे 175 देशों का समर्थन मिला और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया।
33. मेक इन इंडिया के तहत भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का राष्ट्रीय अभियान।
34. डिजिटल भारतः शासन, नागरिक सेवाओं और वित्तीय लेन-देन को डिजिटल तकनीक से जोड़ने की व्यापक पहल।
35. कौशल भारतः युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुसार रोजगार योग्य कौशल प्रदान करने की पहल।
36. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओः लिंगानुपात में सुधार और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का राष्ट्रीय अभियान।
37. पीएम मुद्रा योजनाः स्वरोजगार और छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया।
38. पीएम आवास योजनाः ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का व्यापक कार्यक्रम।
39. 8 नवंबर 2016: काले धन, जाली मुद्रा और भ्रष्टाचार पर प्रहार के लिए 500 और 1,000 रुपये के नोटों को अमान्य किया।
40. यूपीआई का विस्तारः डिजिटल भुगतान की व्यवस्था पैमाने पर, देश दुनिया के अग्रणी डिजिटल भुगतान बाजारों में शामिल हुआ।
41. भीम ऐप-दिसंबर 2016: सरल डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने वाला ऐप शुरू किया।
42. वस्तु एवं सेवा कर : एक राष्ट्र, एक कर की अवधारणा के तहत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली का एकीकरण।
43. दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिताः कंपनियों के ऋण समाधान और बैंकों की फंसी पूंजी से निपटने के लिए नया ढांचा।
44. स्टार्टअप इंडियाः नवाचार और नए उद्यमों को प्रोत्साहन की पहल।
45. स्टैंड-अप इंडियाः महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को संस्थागत बैंक ऋण दिलाने की पहल।
46. मुद्रा योजना का विस्तार किया।
47. जन-धन, आधार और मोबाइल के माध्यम से सरकारी लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने की व्यवस्था।
48. सर्जिकल स्ट्राइक 2016: उरी आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादी ठिकानों पर सेना की कार्रवाई।
49. 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के बालाकोट क्षेत्र में आतंकी प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया।
50. अनुच्छेद 370 समाप्त: 5 अगस्त 2019: जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संवैधानिक प्रावधानों में बड़ा बदलाव।
51. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया।
52. 2019: तीन तलाक की प्रथा को गैर-कानूनी और दंडनीय अपराध बनाकर मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण दिया गया।
53. पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुछ धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया में बदलाव।
54. आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और सीमा सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया गया।
55. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2016: गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना।
56. सौभाग्य योजना 2017: देश के हर घर तक बिजली पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना शुरू की गई।
57. आयुष्मान भारतः गरीब परिवारों को प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य उपचार का सुरक्षा कवच।
58. पोषण अभियानः बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण कम करने के लिए राष्ट्रीय मिशन।
59. ग्रामीण परिवारों तक नल से पेयजल पहुंचाने के लिए हर घर जल-जल जीवन मिशन शुरू किया।
60. हर घर जल का विस्तार: जुलाई 2026 तक ग्रामीण नल कनेक्शन 3.24 करोड़ से बढ़कर 15.89 करोड़ यानी 82.09 प्रतिशत तक पहुंचा।
61. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना: 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।
62. 16 जनवरी 2021: दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक; अगस्त 2022 तक 200.72 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए।
63. कोविन डिजिटल मंचः कोविड टीकाकरण के पंजीकरण, प्रमाणपत्र और निगरानी के लिए डिजिटल मंच का इस्तेमाल।
64. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का विस्तारः मार्च 2026 तक 4.15 करोड़ घर आवंटित किए गए, जिनमें 2.99 करोड़ घर पूरे हो चुके थे।
65. प्रधानमंत्री गति शक्ति 2021: विभिन्न मंत्रालयों की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बीच समन्वय के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान शुरू किया।
66. राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022: देश में माल परिवहन की लागत घटाने और व्यापार को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नीति लागू की गई।
67. अटल सुरंग — 2020: मनाली-लेह मार्ग पर 9.02 किलोमीटर लंबी सुरंग; 10,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंगों में शामिल।
68. वंदे भारत एक्सप्रेस 2019: भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन की शुरुआत दिल्ली-वाराणसी मार्ग से हुई।
69. उड़ान योजनाः छोटे शहरों और कस्बों तक हवाई संपर्क पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना शुरू की गई।
70. सीमावर्ती बुनियादी ढांचे का विस्तार: रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों, पुलों, सुरंगों और रेलवे लाइनों के निर्माण में तेजी लाई गई।
71. फ्रांस के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल की गई और जलवायु कूटनीति में भारत की भूमिका मजबूत हुई।
72. आपदा के समय मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए वैश्विक मंच की स्थापना की पहल की।
73. जी-20 की भारत की अध्यक्षता — 2023: भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली घोषणापत्र पारित हुआ।
74. भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।
75. 23 अगस्त 2023 को भारत ने चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। लैंडिंग स्थल को 'शिव शक्ति' नाम दिया गया।
76. 9 जून 2024: नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। जून 2026 में उन्होंने लगातार प्रधानमंत्री पद रहते हुए महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया।

ऊर्जा सुरक्षा से जनकल्याण तक, बदलाव की नई कहानी

किसी देश के विकास की रफ्तार उसकी ऊर्जा की उपलब्धता और विश्वसनीयता से गहराई से जुड़ी होती है। कारखानों का संचालन हो, खेतों तक सिंचाई की सुविधा पहुंचाना हो या घरों को रोशन करना, हर जगह ऊर्जा की जरूरत है। भारत जैसे विशाल और तेजी से आगे बढ़ते देश के लिए यह जरूरत और भी महत्वपूर्ण है। आज भी देश के करीब 73 प्रतिशत बिजली उत्पादन का आधार कोयला है। इसलिए कोयला क्षेत्र में होने वाला हर सकारात्मक बदलाव देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम लोगों के जीवन पर असर डालता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद कोयला क्षेत्र में व्यापक नीतिगत और संरचनात्मक सुधार हुए हैं। पारदर्शिता बढ़ाने, निर्णय प्रक्रिया तेज करने, आधुनिक तकनीक अपनाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयासों ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। खदानों की योजना से लेकर कोयले की ढुलाई तक, कामकाज के अनेक स्तरों पर इसका असर दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का घरेलू कोयला उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष एक अरब टन के पार पहुंचा। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान 1.04 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ।



हरीश दुहन
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

इस राष्ट्रीय उपलब्धि में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड यानी एसईसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कार्यरत कोल इंडिया की इस मिनीरत्न कंपनी ने अपनी स्थापना के वर्ष वर्ष 1985-86 में 3.42 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। आज कोल इंडिया के उत्पादन में एसईसीएल की हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत और देश के कुल कोयला उत्पादन में लगभग 17 प्रतिशत है। इस सफर के पीछे 36 हजार से अधिक नियमित कर्मचारियों, 24 हजार संविदा कामगारों और बड़ी संख्या में जुड़े परिवहनकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं तथा सेवा प्रदाताओं का योगदान है।

वर्ष 2014 के बाद एसईसीएल में आया बदलाव उत्पादन बढ़ने के साथ कार्यक्षमता, तकनीक और जिम्मेदारी के विस्तार की कहानी भी है। वर्ष 2013-14 में कंपनी का कोयला उत्पादन 12.426 करोड़ टन था, जो 2025-26 में बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। इसी अवधि में उपभोक्ताओं को कोयले की आपूर्ति 12.203 करोड़ टन से बढ़कर 17.863 करोड़ टन पहुंच गई। यह 46 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। कंपनी आज 13 राज्यों को कोयले की आपूर्ति कर रही है। इससे भी उल्लेखनीय बदलाव उत्पादकता में आया है। प्रति श्रमिक, प्रति पाली उत्पादन 7.23 टन से बढ़कर 16.47 टन हो गया है।

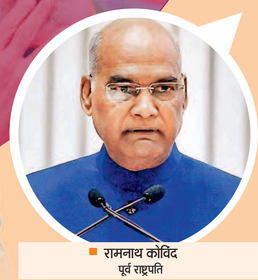

रामनाथ कोविंद
पूर्व राष्ट्रपति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन जनसेवा, दूरगामी दृष्टिकोण और उस अनुरूप निर्णयों का बिरला संगम है। यही कारण है कि पूरा देश 17 सितंबर को उनका जन्म दिवस 'सेवा दिवस' के रूप में मना रहा है। यह दिवस केवल मोदी जी के एक राजनेता के रूप में की गई जीवन यात्रा को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि यह उस संकल्प के प्रति निष्ठा और समर्पण जताने का दिन है जो भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करता है। पीएम मोदी जी ने लक्ष्य रखा है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाना है। उनके नेतृत्व में केवल सरकारें ही नहीं, बल्कि पूरे देश के सभी नागरिक इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। जहां तक नीतियों की बात है, हमने एक दौर ऐसा भी देखा है जिसे पॉलिसी पैरालिसिस के नाम से जाना जाता है और आज एक दौर ऐसा भी है जहां पूरी दुनिया के नेता 18 वें विब्रस शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के वैश्विक विज़न और कूटनीतिक कौशल का लोहा मान कर गए हैं। 17 सितंबर को देश में घर-घर प्रकाशित होने वाला हर दीप उनके नेतृत्व के प्रति आस्था, निष्ठा और गौरव का प्रतीक होगा।

सेवा, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व के गौरव



नरेंद्र सिंह तोमर
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा

हाल ही में सम्पन्न हुए 18 वें विब्रस शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी जी ने दुनिया को 'फोर-पिलर विज़न' (लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास) और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का 10-सूत्रीय रोडमैप दिया है। वैश्विक पटल पर भारत की इस नेतृत्वकारी भूमिका के पीछे पीएम मोदी जी के घरेलू मोर्चे पर लिए गए साहसिक फैसले और जनकल्याणकारी नीतियां हैं। उनके कार्यकाल में हमने देश की दिशा और दशा को तय करने वाले ऐतिहासक कार्य देखें हैं। आगस्त 2019 में लिया गया अनुच्छेद 370 की समाप्ति और जम्मू-कश्मीर का पूर्ण एकीकरण का फैसला स्वतंत्र भारत के इतिहास के सबसे साहसिक और ऐतिहासिक कदमों में से एक है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर उसे मुख्यधारा से जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप वहां दशकों से चला आ रहा अलगाववाद और आतंकवाद कमजोर हुआ है। आज कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। पत्थरबाजी का दौर खत्म हो चुका है। वहां का युवा शिक्षा, खेल, और स्टार्टअप्स के माध्यम से देश की प्रगति में अपना योगदान दे रहा है। पीएम मोदी जी ने इस तरह भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सबसे बड़ा स्वप्न और संकल्प को पूरा किया। डॉ. मुखर्जी ने ही आज से सात दशक पहले कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू किया था।

ऐसी एक ऐतिहासिक उपलब्धि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण है। सदियों पुराने सांस्कृतिक और कानूनी विवाद का शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण समाधान मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल करोड़ों भारतीयों की आस्था की बहाली का प्रतीक बना, बल्कि इसने देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प को एक नई ऊर्जा दी। आज अयोध्या वैश्विक स्तर पर पर्यटन और बुनियादी ढांचे के बड़े केंद्र के रूप में उभर रही है।

आर्थिक सुधार प्रधानमंत्री मोदी जी का कोर एजेंडा है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए पीएम मोदी के डिजिटल विजन ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम बना दिया है। जन धन खातों, आधार और मोबाइल के जरिए शुरू हुई इस क्रांति ने भ्रष्टाचार पर सीधी चोट की है। आज 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के माध्यम से सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे गरीबों के खातों में पहुंच रहा है। भारत के यूपीआई मॉडल का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है।

पिछले कुछ वर्षों में देश के इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पीएम गतिशक्ति योजना के तहत राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा हो चुकी है। रेलवे के क्षेत्र में पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बनी सेमी-हाई स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेनें और रेलवे स्टेशनों का आधुनिक पुनर्विकास (अमृत भारत स्टेशन योजना) नए भारत की नई पहचान बन चुके हैं। इसके साथ ही देश के सुदूर इलाकों तक हवाई कनेक्टिविटी देने वाली 'उड़ान' योजना ने आम आदमी के हवाई सफर के सपने को सच किया है।

गरीबों और वंचितों के जीवन स्तर को उठाने के लिए मोदी सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। 'हर घर जल' मिशन के जरिए ग्रामीण परिवारों तक नल से साफ पानी पहुंचाकर बुनियादी जीवन स्तर में अभूतपूर्व सुधार किया गया है।

देश के मौजूदा बुनियादी सुधारों से लेकर ब्रिक्स 2026 की ऐतिहासिक कूटनीतिक सफलता तक पीएम मोदी का विजन केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारत को वैश्विक मंच पर 'विश्वगुरु' और संकटमोचक के रूप में स्थापित कर चुके हैं। चाहे 'मेक इन इंडिया' के तहत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनना हो या सामाजिक न्याय की स्थापना-उनकी नीतियां 'राष्ट्र प्रथम' ध्येय से प्रेरित हैं। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ते भारत के लिए उनका यह दूरदर्शी रोडमैप देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में पिरोकर 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने का अटूट विश्वास देता है।

मोदी युग में बड़ा बदलाव, पूर्वोत्तर को मिली नई जीवन 'धारा'

मोदी युग की सबसे स्थायी उपलब्धि शायद किसी एक सड़क, योजना, सुधार या बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है। यह इससे कहीं अधिक गहरे बदलाव में निहित है-खुद भारतीय समाज की मुख्यधारा का विस्तार। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2017 से 2022 तक पांच वर्षों तक मैंने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में निकटता से देखा। इसी अनुभव और सार्वजनिक जीवन में उनके साथ अपने जुड़ाव के आधार पर, मैं उनके जन्मदिन के अवसर पर कुछ विचार साझा करना चाहता हूं। अक्टूबर 2001 में गुजरात में निर्वाचित सरकार की बागडोर संभालने से लेकर वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री कार्यालय की जिम्मेदारी संभालने तक, निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में 25 से अधिक वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार एक सरल, किंतु परिवर्तनकारी विचार को आगे बढ़ाया है- सबका साथ, सबका विकास।

इसके केंद्र में एक और विचार है, जो उनकी समावेशी राजनीति की पहचान बन गया है। जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसको मोदी ने पूजा। जो लोग अनसुने, अनदेखे या पर्याप्त सुविधाओं से वंचित रह गए थे, वे अब भारत की विकास यात्रा के हाशिये पर नहीं रह गए थे। शायद यही मोदी युग का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है- सिर्फ विकास को वंचित वर्गों तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि उनको मुख्यधारा में लाना।

मुख्यधारा के केंद्र में कौन है इसकी नई परिकल्पना

स्वतंत्रता के बाद कई दशकों तक भारत की विकास संबंधी सोच में एक निहित केंद्र और परिधि दिखाई देती थी। कुछ क्षेत्रों को दूरस्थ माना जाता था। कुछ गांव इतने दुर्गम थे कि वहां तक सरकारी तंत्र की सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं पहुंच पाता था। लोगों की कई आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विमर्श में स्थान नहीं मिल पाता था। मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है। शासन की सोच अब धीरे-धीरे चयनात्मकता के बजाय सर्वव्यापी पहुंच, बहिष्करण के बजाय समावेशन और केवल अधिकार देने के बजाय सशक्तीकरण पर केंद्रित होती गई है। अब प्रश्न यह नहीं है कि सरकार ने कोई योजना शुरू की है या नहीं, बल्कि यह है कि जिस व्यक्ति तक उस योजना का लाभ पहुंचने की सबसे कम संभावना थी, क्या वास्तव में वह व्यक्ति भी उससे लाभान्वित हुआ है।

इस बदलाव को पूर्वोत्तर से बेहतर शायद ही कोई उदाहरण स्पष्ट कर सकता है।

कई दशकों तक पूर्वोत्तर को अक्सर भारत के दूरस्थ सीमांत क्षेत्र के रूप में देखा गया और उसकी सिर्फ चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब इसे तेजी से भारत के अग्रणी क्षेत्र और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वारके रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

नवंबर 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र का 83 से अधिक बार दौरा किया है। इन दौरों के साथ संपर्क-सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, निवेश और शांति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। इस क्षेत्र में 12 प्रमुख शांति समझौते हुए हैं। वहीं, वर्ष 2014-15 से 2025-26 के बीच पूर्वोत्तर के विकास के लिए 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं, जबकि इससे पिछले दशक में लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। पूर्वोत्तर के बुनियादी ढांचे का मानचित्र भी बदल रहा है। बोगीबील पुल और सेला सुरंग ने गंभीर भौगोलिक बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिज़ोरम कोबेराबी-सैरांग रेल लाइनके उद्घाटन के साथ शेष भारत से पहली बार सीधी रेल कनेक्टिविटी मिली। नागालैंड को स्वतंत्रता के बाद अपना पहला रेलवे स्टेशन मिला। एम्स गुवाहाटी पूर्वोत्तर का पहला एम्स बना। असम का सेमीकंडक्टर संयंत्र इससे भी अधिक महत्वाकांक्षी सोच को दर्शाता है—यह उस विचार को सामने लाता है कि भारत के सबसे उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित उद्योगों में से एक का विकास ऐसे क्षेत्र में भी हो सकता है, जिसे कभी मुख्यतः भौगोलिक रूप से दूरस्थ माना जाता था।

जब जनजातीय समुदाय विकास की प्राथमिकता बना

जनजातीय समुदायों के प्रति दृष्टिकोण में भी यही दर्शन दिखाई देता है। दृष्टिकोण अब छिटपुट कल्याणकारी उपायों से आगे बढ़कर निरंतर, लक्षित और समग्र सरकारी तंत्र के समन्वित प्रयास की ओर बढ़ा है। पिछले एक दशक में जनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट में 243 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पीएम-जनमन के अंतर्गत सभी 75 विशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों को शामिल किया गया है। आवास, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान ने इस दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाया है। इसके तहत जनजातीय बहुल गांवों आविशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों की बस्तियों में लंबे समय से विद्यमान विकास संबंधी कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है।

इस दृष्टिकोण का उद्देश्य केवल हाशिये पर रह रहे समुदायों को कल्याणकारी सहायता प्रदान करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन्हींदेश के भविष्य में पूर्ण और सार्थक भागीदारी के लिए आवश्यक क्षमताओं से सशक्त बनानाहै। इसे व्यापक रूप से लागू करने के लिए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत 30 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को 63 हजार से अधिक गांवों में ले जाया गया है। इसके तहत जनजातीय बहुल गांवों के लिए 549 विकास हस्तक्षेपों की पहचान की गई है। इनमें से 380 से अधिक हस्तक्षेप पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। इस अभियान के लिए 79,156 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 31 मार्च 2026 तक 74,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की जा चुकी है।

'अंतिम गांवों' से 'प्रथम गांवों' तक

भारत को सीमाओं पर भी दृष्टिकोण में इसी तरह का बदलाव दिखाई देता है। वर्षों तक दूरदराज की बस्तियों को अंततः पर देश के 'अंतिम गांवों' के रूप में वर्णित किया जाता रहा। मोदी सरकार ने समझ-बूझकर इस शब्दावली को बदलने का प्रयास किया और इसके भी महत्वपूर्ण रूप से, इसके पीछे की नीतिगत प्राथमिकता को भी बदला। अब इन्हें भारत के 'प्रथम गांवों' के रूप में देखा जाता है। राजधोट विलेज कार्यक्रम सड़कों, संपर्क-सुविधाओं, पर्यटन, आजीविका और आवश्यक सेवाओं के माध्यम से दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में इस विचार को संस्थागत रूप देता है। यही चिंतन देश के आंतरिक क्षेत्रों मेंआकांक्षी जिला कार्यक्रमके माध्यम से आगे बढ़ाया गया है। ऐतिहासिक रूप से अत्यंत पिछड़ित 112 जिलों को स्थानीय रूप से चिह्नित क्षेत्रों के रूप में उत्कृष्टता करने के बजाय, इस कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना और आजीविका के क्षेत्र में तेजी लाने के लिए लागोंय परिणाम, संयोजन और प्रतिस्पर्धात्मक विकास को बढ़ावा दिया गया। वर्ष 2023 में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के माध्यम से इस दृष्टिकोण को प्रशासनिक व्यवस्था के निचले स्तर तक ले जाया गया। इसके तहत 329 जिलों के 500 ब्लॉकों को शामिल किया गया।

संदेश स्पष्ट है: भौगोलिक स्थिति किसी क्षेत्र के लिए स्थायी वंचितता का कारण नहीं बन सकती।

बहुआयामी मोदी का विराट स्वरूप अभी आना बाकी है

मेहनत से हर पल देश को और जीवंत करते मोदी



बृजमोहन अग्रवाल
रायपुर सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़

पिछले 25 सालों से अनवरत लगातार मेहनत करते रहने के पीछे की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस बच्ची से पाते हैं जो अपने छोटे भाई को पीठ पर रखकर लगातार ऊंचे पहाड़ पर चढ़ती जा रही है, जब लड़कों से एक आदमी पूछता है कि तुम्हें यह बोझ नहीं लग रहा है तो वह धीरे से मुस्कराते हुए कहती है कि यह मेरा अपना छोटा भाई है। इसलिए यह मुझे बोझ नहीं लगता बल्कि उसके पीठ पर रहने से मुझे और ताकत मिलती है। मैं अभी और ऊंचा पहाड़ चढ़ना चाहती हूं। इस बच्ची से प्रेरणा पाने वाले हमारे यशस्वी और कर्मठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के विकास पर हर पल सतत सक्रिय हैं।

*उनकी राजनीतिक कला कौशल का यह सबसे बेहतर नायाब उदाहरण है कि पिछले 25 सालों से लगातार देश के जन-जन में प्रधानमंत्री मोदी अपनी चिर-परिचित कार्य प्रणाली से बेहद प्रतिष्ठित आयाम के साथ लगातार स्थापित होते जा रहे हैं। मुझे लगता है कि निकट भविष्य में देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और विराट प्रखर स्वरूप देखने को मिलेगा। क्योंकि, 76 साल की उम्र में भी 35 के नवयुवक की भाँति अभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18-18 घंटे लगातार अथक परिश





हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब शरीर के सभी ज्वाइंट्स में हो पेन

मेरी उम्र 48 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे घुटने, कोहनी, अंगुलियों के सभी ज्वाइंट्स में दर्द हो रहा है। आंखों के पीछे भी दर्द होता रहता है। कृपया बताएं कि मेरी यह समस्या कैसे ठीक होगी?

-कुलदीप, रोहतक

जैसा आप बता रहे हैं कि ज्वाइंट्स में दर्द हो रहा है। सामान्य तौर पर यह लक्षण अर्थराइटिस का हो सकता है। पर आप बता रहे हैं कि आंख के पीछे भी दर्द हो रहा है। इसलिए जांच कराए बगैर कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। बेहतर होगा कि आप किसी ऑर्थोपेडिक से संपर्क कर लें। वह एक्स-रे समेत कुछ जांच कराएंगे, जिसके बाद पता पाएगा कि वजह क्या है, उसके बाद ट्रीटमेंट शुरू हो पाएगा। बगैर जांच कराए किसी तरह की दवा फिलहाल न लें।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। थोड़ा-सा खाना खाते ही मेरा पेट फूलने लगता है। गैस, भारीपन की वजह से परेशानी होने लगती है। इसकी क्या वजह है? कहीं यह पेट की किसी बीमारी का संकेत तो नहीं?

-दीपनारायण, रायपुर

उम्र बढ़ाने के साथ इस तरह की समस्याएं देखी जाती हैं। आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है, जिस वजह से यह समस्या आ रही है। सबसे पहले आप अधिक तला-भुना भोजन खाना छोड़ दें। साथ में दोपहर के खाने में दही या छाछ लें और सलाद भी खाएं। रात में खाना हल्का लें और कोशिश करें कि सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह बदलाव करने से अगर राहत मिल जाती है तो ठीक है, नहीं तो आपको एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क करना पड़ेगा।

मेरी उम्र 40 वर्ष है। मैंने सुना है कि ब्लड प्रेशर अक्सर बिना लक्षणों के बढ़ता रहता है। ऐसे में हमें कैसे पता चलेगा कि बीपी कम है या ज्यादा?

-संबित, बिलासपुर

अगर सिर में भारीपन है और घबराहट होती है तो सामान्य तौर पर यह लक्षण अधिक ब्लड प्रेशर का होता है और अगर थकान लगने के साथ सुस्ती लगती है तो यह ब्लड प्रेशर कम होने का लक्षण है। लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। अगर आपको ऐसा फील हो रहा है तो आप रेग्युलर एक हफ्ते तक सुबह और शाम ब्लड प्रेशर जांच कराएं। इससे पता चल जाएगा कि ब्लड प्रेशर आपको है या नहीं। अगर ऐसा है तो आपको डॉक्टर से संपर्क करके दवा लेनी चाहिए। दवा आपको रेग्युलर लेनी पड़ेगी।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। मैं यह जानना चाहता हूं कि साल में कौन-कौन से हेल्थ टेस्ट मुझे



कराते रहने चाहिए? क्या उम्र और पारिवारिक बीमारी की हिस्ट्री के आधार पर भी कुछ खास तरह के टेस्ट कराने जरूरी होते हैं?

-सुमित, महासमुंद

कुछ रोग आनुवांशिकी हो सकते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि फैमिली हिस्ट्री रही हो तो आपको भी हो। इसके लिए कुछ जांच जरूरी हैं, लेकिन इस तरह बताना उचित नहीं रहेगा। बेहतर होगा कि आप एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लें। वह आपको टेस्ट के नाम बता देंगे, क्योंकि ज्यादातर लैब जांच बगैर प्रिस्क्रिप्शन के नहीं करती हैं।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। पिछले दो हफ्ते से टॉयलेट करते वक्त मुझे जलन और दर्द की प्रॉब्लम हो रही है। कभी-कभी यूरीन का रंग पीला आता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है?

-एक पाठक, ईमेल से

ऐसे मामले में आपको एक बार यूरोलॉजिस्ट से संपर्क कर लेना चाहिए। वह कुछ जांच कराएंगे, जिससे पता चल जाएगा कि यह सामान्य है या किसी रोग का लक्षण है।

मेरी उम्र 55 वर्ष है। मुझे पिछले 3 हफ्ते से लगातार सूखी खांसी आ रही है। कफ सिरप और दवाइयां लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हो रही है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कुलभूषण, बलौदा बाजार

हालांकि कई बार इस तरह की खांसी एलर्जी से होती है या फिर शहरों में प्रदूषण की वजह से इस तरह की समस्याएं कुछ लोगों में देखी गई हैं। लेकिन दो हफ्ते से अधिक खांसी आ रही है तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। वह जांच कर पता लगाएंगे कि खांसी, एलर्जी या पॉल्यूशन की वजह से है या कोई अन्य कारण है। फिर इसका ट्रीटमेंट शुरू होगा। *

-प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**



डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. आकाश शाह

यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

उम्र बढ़ने के साथ पेशाब से जुड़ी समस्याएं बहुत आम हैं। ऐसा प्रोस्टेट ग्लैंड में प्रॉब्लम की वजह से हो सकता है। आपकी प्रॉब्लम न बढ़े और उसका प्रॉपर ट्रीटमेंट हो सके, इसके लिए बिना घबराए जल्द से जल्द जांच करवाना जरूरी है। प्रोस्टेट कैंसर अवेयरनेस मंथ (सितंबर) के मौके पर आपको यहां डिटेल में बता रहे हैं प्रोस्टेट से जुड़ी कई प्रॉब्लम्स के बारे में।

प्रोस्टेट प्रॉब्लम घबराएं नहीं कराएं प्रॉपर चेकअप-ट्रीटमेंट

जब घर में कोई उम्रदराज पुरुष रात में दो-तीन बार या इससे अधिक बार पेशाब करने के लिए उठने लगे या शिकायत करें कि उसे पेशाब करने में दिक्कत होती है, तो अमुक व्यक्ति और उसके परिजनों के मन में सबसे पहला सवाल अकसर यही आता है, 'कहीं यह प्रोस्टेट कैंसर तो नहीं है?' यह चिंता बिल्कुल स्वाभाविक है, लेकिन अच्छी बात यह है कि ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता है।

क्या है प्रोस्टेट ग्लैंड प्रॉब्लम

प्रोस्टेट पुरुषों में मूत्राशय (यूरिनरी ब्लैडर) के ठीक नीचे स्थित अखरोट के आकार की एक छोटी ग्रंथि है। उम्र बढ़ने के साथ इसमें स्वाभाविक रूप से बदलाव आते हैं और इनमें से अधिकांश बदलाव कैंसर से संबंधित नहीं होते हैं। यह शरीर का सामान्य बदलाव है, जिस पर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत होती है।

हो सकती हैं ये प्रॉब्लम्स

प्रोस्टेट से जुड़ी अधिकांश समस्याओं के पीछे दो गैर-कैंसरकारी (बेनाइन) स्थितियां होती हैं।

बेनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया: बीपीएच उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट के स्वाभाविक रूप से बढ़ने की स्थिति है। जब प्रोस्टेट बड़ा होता है, तो यह मूत्रमार्ग (यूरेथ्रा) पर दबाव डाल सकता है। इससे ये समस्याएं हो सकती हैं:

- पेशाब की धार रुक-रुक कर आना।
- पेशाब शुरू करने में परेशानी।
- बार-बार पेशाब लगना।
- ऐसा महसूस होना कि मूत्राशय पूरी तरह खाली नहीं हुआ है।

प्रोस्टेटाइटिस: यह प्रोस्टेट में सूजन या संक्रमण की स्थिति है। बीपीएच के विपरीत, यह कम उम्र के पुरुषों को भी हो सकती है। इसके लक्षणों में शामिल हो सकते हैं:

- पेल्विस या कमर के निचले हिस्से में दर्द।
- पेशाब करते समय परेशानी या दर्द।
- कभी-कभी बुखार होना।

शुरुआती संकेतों पर दें ध्यान

- रात में कई बार पेशाब करने के लिए उठना।
- पेशाब की धार का कमजोर, रुक-रुक कर या शुरू होने में देर से आना।
- अचानक तेज पेशाब लगना और उसे रोकने में परेशानी होना।
- पेट के निचले हिस्से या पेल्विस में लगातार हल्का दर्द।
- किसी भी समय पेशाब में खून आना। इसे कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें। यूरोलॉजिस्ट से सलाह लेना उचित है।

क्या है पीएसए टेस्ट

पीएसए जांच प्रोस्टेट की देखभाल में बहुत



उपयोगी है, लेकिन इसे अकसर गलत समझा जाता है। यह प्रोस्टेट द्वारा बनाए जाने वाले एक प्रोटीन को मापती है। डॉक्टर पीएसए के परिणाम को शारीरिक जांच और कभी-कभी एमआरआई जैसी इमेजिंग जांच के साथ देखकर पूरी स्थिति समझते हैं। केवल पीएसए के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि कैंसर है या नहीं।



आमतौर पर 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को अपने डॉक्टर से पीएसए स्क्रीनिंग के बारे में बात करनी चाहिए। यदि परिवार में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास है, तो 40-45 वर्ष की उम्र से ही डॉक्टर से स्क्रीनिंग के समय और आवश्यकता के बारे में सलाह लेना उचित हो सकता है।

बढ़े हुए प्रोस्टेट का इलाज

इलाज पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि लक्षण आपको कितनी परेशानी दे रहे हैं।

हल्के लक्षण: हल्के लक्षणों में अकसर तुरंत इलाज की जरूरत नहीं होती। डॉक्टर की निगरानी में कुछ सरल बदलाव मदद कर सकते हैं।

- शाम के समय अधिक मात्रा में पानी पीने से बचना।
- कैफीन और शराब का सेवन कम करना।
- समय-समय पर लक्षणों की निगरानी करना।

जब लक्षण ज्यादा परेशान करने लगें, तो ऐसी स्थिति में दवाएं मदद कर सकती हैं। अल्फा-ब्लॉकर्स दवाएं प्रोस्टेट और मूत्राशय के आसपास की मांसपेशियों को रिलैक्स करती हैं, जिससे पेशाब का प्रवाह बेहतर हो सकता है।



कुछ अन्य दवाएं कई महीनों में प्रोस्टेट का आकार कम करने में मदद कर सकती हैं।

गंभीर लक्षण: गंभीर लक्षणों की स्थिति में प्रक्रिया या सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।

टीयूआरपी- (ट्रांसुरेथ्रल रीसेक्शन ऑफ द प्रोस्टेट) में पेशाब के रास्ते को रोकने वाले अतिरिक्त प्रोस्टेट टिश्यू को हटाया जाता है।

लेजर तकनीक होलेप- हॉलमियम लेजर एनुक्लिएशन ऑफ द प्रोस्टेट में भी अतिरिक्त प्रोस्टेट टिश्यू को हटाया जाता है और कई मामलों में रक्तस्राव कम तथा अस्पताल में रहने का समय कम हो सकता है।

अगर कंफर्म हो प्रोस्टेट कैंसर

यदि प्रोस्टेट कैंसर कंफर्म हो जाता है तो यह समझना जरूरी है कि हर मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत नहीं होती है। इसमें नियमित पीएसए-जांच, स्कैन और जरूरत पड़ने पर दोबारा बायोप्सी के माध्यम से कैंसर की निगरानी की जाती है।

रोबोटिक सर्जरी: जब सक्रिय इलाज की जरूरत होती है, तो प्रोस्टेट कैंसर के लिए नई तकनीकों से युक्त अस्पतालों में रोबोटिक-असिस्टेड रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी के जरिए उपचार किया जाता है। इस सर्जरी के संभावित लाभों में शामिल हैं:

- सर्जरी के दौरान काफी कम रक्तस्राव।
- ऑपरेशन के बाद जल्दी घाव भरना।
- अस्पताल में कम समय रुकना और दैनिक गतिविधियों में जल्दी वापसी।
- पेशाब पर नियंत्रण और यौन क्षमता से जुड़ी महत्वपूर्ण नसों को बचाने की बेहतर संभावना।

एचआईएफयू और फोकल थेरेपी: इसके अंतर्गत केवल जरूरत वाले हिस्से का इलाज किया जाता है। पूरे प्रोस्टेट को निकालने के बजाय एचआईएफयू में केंद्रित अल्ट्रासाउंड ऊर्जा का इस्तेमाल करके प्रोस्टेट के केवल कैंसर वाले हिस्से को गर्म करके नष्ट करने का प्रयास किया जाता है, ताकि आसपास के स्वस्थ टिश्यू को बचाया जा सके।

प्रोस्टेट कैंसर से बचाव

प्रोस्टेट की बीमारी को रोकने का कोई 100 प्रतिशत निश्चित तरीका नहीं है, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली निश्चित रूप से प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में मदद कर सकती है। इसके लिए सब्जियों, फलों और साबुत अनाज से भरपूर भोजन करें। नियमित रूप से व्यायाम करें। अत्यधिक चिकनाई युक्त या अत्यधिक वसायुक्त खाद्य पदार्थों का कम से कम सेवन करें। धूम्रपान से दूर रहें। ये आदतें लंबे समय तक प्रोस्टेट और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

मिथ और उससे रिलेटेड फैक्ट

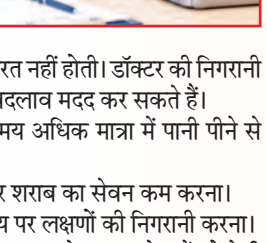

मिथ: पेशाब करने में कोई भी बदलाव प्रोस्टेट कैंसर का संकेत है।

तथ्य: पेशाब से जुड़ी अधिकांश समस्याएं बीपीएच या संक्रमण जैसी गैर-कैंसरकारी स्थितियों के कारण होती हैं, कैंसर के कारण नहीं। सही अंतर केवल उचित चिकित्सकीय जांच से ही पता चल सकता है। इसलिए शुरुआती बदलाव देखकर घबराने की जरूरत नहीं है।

मिथ: पीएसए का स्तर बढ़ा है, इसका मतलब निश्चित रूप से कैंसर है।

तथ्य: पीएसए (प्रॉस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन) एक रक्त जांच है, यह अपने आप में कैंसर का कंफर्मेशन नहीं है। पीएसए का स्तर कुछ कारणों से भी बढ़ सकता है। पीएसए बढ़ने का मतलब केवल इतना है कि डॉक्टर को आगे और जांच की जरूरत हो सकती है, जैसे दोबारा पीएसए जांच, इमेजिंग या कभी-कभी बायोप्सी। इसका मतलब यह नहीं है कि कैंसर की पुष्टि हो गई है।

अवेयरनेस

बढ़ती उम्र में मेमोरी लॉस को कॉमन मानते हैं। ऐसा अल्जाइमर डिजीज के कारण भी हो सकता है। लोगों को अल्जाइमर के प्रति जागरूक करने के लिए 21 सितंबर को वर्ल्ड अल्जाइमर-डे मनाया जाता है। इस बीमारी के होने के कारण, लक्षण और उपचार के बारे में आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

ओल्ड एज में मेमोरी लॉस हो सकता है अल्जाइमर



उम्र बढ़ने के साथ चीजें भूलना सामान्य माना जाता है। कभी चश्मा कहां रखा, किसी का नाम याद न आना या कोई जरूरी सामान भूल जाना, हम सभी के साथ होता है। लेकिन जब भूलने की समस्या लगातार बढ़ने लगे, रोजमर्रा के काम प्रभावित होने लगें और व्यक्ति अपने परिचित लोगों, जगहों या बातों को भी भूलने लगे तो इसे केवल उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह अल्जाइमर डिजीज के शुरुआती संकेत हो सकते हैं।

अल्जाइमर क्या है: श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली में डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी, **डॉ. राजुल अग्रवाल** बताते हैं, 'अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है जो धीरे-धीरे दिमाग की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। इसका सबसे ज्यादा असर मेमोरी, सोचने-समझने, बोलने और रोजमर्रा के फैसले लेने की क्षमता पर पड़ता है। यह बीमारी आमतौर पर धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती दौर में इसके लक्षण काफी सामान्य लग सकते हैं। यही वजह है कि कई बार परिवार के लोग इन्हें उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।

शुरुआती लक्षण: अल्जाइमर का सबसे आम शुरुआती लक्षण याददाश्त कमजोर होना है। व्यक्ति हाल में हुई बातचीत या घटना भूल सकता है और एक ही सवाल बार-बार पूछ सकता है। सामान किसी जगह रखकर भूल जाना, परिचित रास्ते में भटक जाना, सही शब्द खोजने में परेशानी होना या रोज किए जाने वाले कामों को करने में दिक्कत भी इसके संकेत हो सकते हैं। समय के साथ व्यक्ति को लोगों को पहचानने, पैसे का हिसाब रखने, दवाएं समय पर लेने या अपने जरूरी काम व्यवस्थित करने में परेशानी हो सकती है। कुछ लोगों के व्यवहार और मूड में भी बदलाव देखने को मिलता है। वे ज्यादा चिड़चिड़े, परेशान या दूसरों पर निर्भर हो सकते हैं।'

हर भूलने की समस्या अल्जाइमर नहीं: अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, कानपुर में सीनियर कंसल्टेंट-न्यूरोलॉजी, **डॉ. जुबैर सरकार** क्लीयर करते हैं, 'यह समझना भी जरूरी है कि हर तरह की भूलने की समस्या अल्जाइमर नहीं होती। तनाव, नींद की कमी, कुछ दवाओं का असर, विटामिन की कमी, डिप्रेशन और दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं भी मेमोरी को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए खुद से बीमारी का निष्कर्ष निकालने के बजाय लगातार या बढ़ती हुई समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होता है।

इन्हें है अधिक रिस्क: उम्र बढ़ने के साथ अल्जाइमर का रिस्क बढ़ता है। इसके



अलावा परिवार में इस बीमारी का इतिहास, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा, धूम्रपान, शारीरिक गतिविधि की कमी और लंबे समय तक सामाजिक रूप से अलग-थलग रहना भी ब्रेन हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

उपचार के तरीके : रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर में एसोसिएट कंसल्टेंट-न्यूरोलॉजी, **डॉ. मुकुंद अग्रवाल** बताते हैं, 'अल्जाइमर रोग केवल मरीज की बीमारी नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे परिवार पर पड़ सकता है। ऐसे में मरीज को उसकी भूलने की समस्या के लिए डांटना या उसका मजाक उड़ाना स्थिति को और मुश्किल बना सकता है। परिवार को धैर्य के साथ उसकी मदद करनी चाहिए और जरूरी कामों के लिए रिमाइंडर, कैलेंडर या अन्य आसान तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मरीज को अकेला महसूस न होने दिया जाए। उसके साथ बातचीत करें, उसकी बात सुनें और उसे सामाजिक गतिविधियों से जोड़कर रखें।

समय पर पहचान जरूरी: अल्जाइमर रोग का अभी कोई ऐसा निश्चित इलाज नहीं है, जो बीमारी को पूरी तरह खत्म कर दे, लेकिन शुरुआती पहचान और सही मेडिकल मैनेजमेंट से लक्षणों को संभालने, मरीज की स्वतंत्रता को लंबे समय तक बनाए रखने और उसकी लाइफ क्वालिटी बेहतर करने में मदद मिल सकती है। इस अल्जाइमर-डे पर संकल्प लें कि भूलने को हमेशा उम्र का असर मानकर नजरअंदाज नहीं करेंगे। याददाश्त में लगातार बदलाव दिखे तो समय पर डॉक्टर से सलाह लेंगे और अपने परिवार के बुजुर्गों के साथ धैर्य, सम्मान और संवेदनशीलता से पेश आएंगे। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स



दिमाग को बनाए रखें एक्टिव

जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है, उसी तरह दिमाग को एक्टिव रखना भी फायदेमंद माना जाता है। पढ़ना, नई चीजें सीखना, पहेलियां हल करना, संगीत सुनना, बातचीत करना और परिवार व दोस्तों के साथ समय बिताना मानसिक रूप से एक्टिव रहने में मदद कर सकता है। इसके साथ नियमित वॉक या एक्सरसाइज, पर्याप्त नींद और संतुलित डाइट को अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना चाहिए। ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं को कंट्रोल में रखना भी ओवरऑल ब्रेन हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण है।



जीवेत शरदः शतम्

नमो नमः

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मजबूती का पर्याय कहे जा सकते हैं। उनके फैसले हमेशा चौंकाने वाले रहे हैं।

निर्णयों पर दृढ़ रहने की इच्छाशक्ति उन्हें दूसरे लौह पुरुष के रूप में स्थापित करती है।

मौका हो कोई भी, मोदी जहां भी होते हैं, उनका असर दिखता है। उनकी बातों का राष्ट्र पर गहरा असर होता है।



देश के यशस्वी प्रधानमंत्री **मा. नरेन्द्र मोदी जी**

एवं प्रदेशाध्यक्ष भाजपा **मा. किरण सिंह देव जी**

को **जन्मदिन** की

हार्दिक बधाई..!

शुभकामनाएँ..!





मोदी है, तो मुमकिन है...

1 जब ऐतिहासिक वादा निभाया
अयोध्या में राम मंदिर
अयोध्या में भव्य राममंदिर, भाजपा का प्रमुख वादा था। मंदिर के भूमि पूजन वा साथ ही यह वादा भी पूरा हो गया और राम मंदिर का निर्माण शुरू हो गया है।

2 जब साहस दिखाया
समूचे देश की एक धारा कश्मीर में धारा
370 को हटाने का मजबूत संकल्प सिर्फ मोदी दिखा पाए। जम्मू और कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर पूरे देश को एक धारा में बांधा।

3 जब इच्छाशक्ति दिखाई
लॉकडाउन का उदाहरण रखा
देश में कोरोना को रोकने का सबसे प्रभावी मंत्र यहीं रहा। इससे देश को कोविड के खिलाफ तैयारी का मौका मिला। दुनिया ने इस कदम की सराहा।

4 जब देश को नया बल दिया
रफाल, शक्ति का नया सम्मान
देश के शौर्य को बढ़ाने वाला कदम। वायुसेना की ताकत को नया बल मिला। रफाल के आने से चीन-पाक जैसे देशों के खिलाफ बड़ा फायदा मिलेगा।

5 जब देश के मस्तक को ऊंचा किया
स्वच्छ भारत अभियान
देश भले ही आजाद हो चुका था। लेकिन गंदगी का गुलाम था। देश में पहली बार मोदी ने सफाई को कल्चर बनाया। अब यह हमारी जीवनशैली है।

6 जब देश की महिलाओं को सशक्त किया
ट्रिपल तलाक से आज़ादी
मुस्लिम महिलाओं को ट्रिपल तलाक से आजादी दिलाई। महिलाओं के गान गरि भावना की समझते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया।

7 जब हर महिला को उज्जवल भविष्य दिया
उज्ज्वला योजना
गरीब महिलाओं को धुएं से निजात दिलाने वाली यह योजना उनको मुफ्त गैस सिलेंडर का हक देती है। देश में 8 करोड़ से ज्यादा उज्जवला कनेक्शंस जारी।

8 जब हर गरीब को आयुष्मान कहा
आयुष्मान भारत योजना
देश के गरीबों की स्वास्थ्य का अधिकार दिया। इस योजना में देश के गरीब परिवार के करीब 50 करोड़ लोगों को 15 लाख का सुरक्षा कवर मिला।



विक्रम उसेंडी
(विधायक)
विधानसभा क्षेत्र, अंतागढ़



आशाराम नेताम
(विधायक)
विधानसभा क्षेत्र, कांकेर



विकास मरकाम
(अध्यक्ष) आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड छत्तीसगढ़



डॉ सनम जांगड़े
(प्रदेश अध्यक्ष)
भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, छत्तीसगढ़



श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू
(प्रदेश उपाध्यक्ष) भाजपा छत्तीसगढ़, पूर्व विधायक धमतरी विधानसभा क्षेत्र



अभिषेक सिंह
(पूर्व सांसद)
लोकसभा राजनांदगाव



जगदीश (रामू) रोहरा
(महापौर) नगर निगम धमतरी
पूर्व प्रदेश महामंत्री भाजपा छत्तीसगढ़



निरंजन सिन्हा
(अध्यक्ष)
जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर



तारिणी पुष्पेन्द्र चन्द्राकर
(अध्यक्ष)
जिला पंचायत बालोद



नवीन अग्रवाल
(अध्यक्ष)
जिला पंचायत रायपुर



ज्योति भानु चन्द्राकर
(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद कुरुद (धमतरी)



अशोक जैन
(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़



अशोक सिन्हा
(प्रदेश महामंत्री)
भाजपा ओबीसी मोर्चा छ.ग.



नितीन गौरी शंकर अग्रवाल
(प्रदेश सहसंयोजक)
भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ



मोनिका साहू
(प्रदेश सह संयोजक)
सहकारिता प्रकोष्ठ छ ग



श्रीमती सुलोचना यादव
(अध्यक्ष)
जनपद पंचायत बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़



विनोद खांडेकर
(पूर्व विधायक)
डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र



पं. राजेश शर्मा
(स्थाई आमंत्रित सदस्य)
भाजपा प्रदेश कार्यसमिति छ.ग.



आनंद यादव
(जिलाध्यक्ष) भारतीय जनता पार्टी
जिला बलौदाबाजार - भाटापारा



राजा देवनानी
(जिला उपाध्यक्ष)
भाजपा कांकेर



चेतन हिंदूजा
(कोषाध्यक्ष)
भारतीय जनता पार्टी, धमतरी

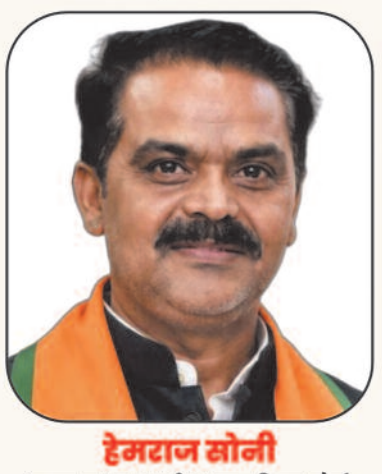

हेमराज सोनी
(बस्तर सभांग प्रभारी) भाजपा पिछड़ा मोर्चा,
जिलाध्यक्ष गौ सेवा आयोग, धमतरी



मूलचंद शर्मा
(मीडिया प्रभारी)
भाजपा किसान मोर्चा, बेमेतरा



सुरेंद्र सिंह बन्नोआना
(वरिष्ठ भाजपा नेता)
डोगरगढ़



राकेश ध्रुव
(मंडल अध्यक्ष)
बलौदा बाजार (शहर) भारतीय जनता पार्टी

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर
ब्लॉक- बी, सेक्टर-24, नवा रायपुर, अटल नगर
Tele fax- 2332151, 2432531, website- tbe.cg.nic.in, Emali cgtbcraipur@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक-01/कम्प्यूटर/ /2026 रायपुर, दिनांक 16/09/2026

IT Project development हेतु Agency Hiring निविदा की सूचना

छ.ग. पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा शिक्षा सत्र 2027-28 हेतु निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों में बारकोडिंग एवं स्केनिंग, वितरण एवं ट्रैकिंग प्रणाली का डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन संचालन एवं रखरखाव हेतु क्लाउड सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए एजेंसी नियुक्त करने हेतु ऑनलाईन जेम-निविदा क्रमांक GEM/2026/B/8028963 आमंत्रित की जाती है। समस्त विवरण Govt.E Market Place (GeM) की वेबसाईट- https://gem.gov.in में उपलब्ध है। अंतिम तिथि- 03 अक्टूबर 2026, समय 09:00 PM तक निर्धारित है।

निविदा संबंधि किसी भी प्रकार की अद्यतन जानकारी के लिए जेम पोर्टल का निरंतर अवलोकन करें।

(प्रबंध संचालक द्वारा अनुमोदित)

S-49059/1 **महाप्रबंधक**

यूपीआई भुगतान पर एमडीआर से छोटे कारोबारी होंगे प्रभावित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) ने बुधवार को कहा कि सरकार के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत का मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने के फैसले से त्योहारों से पहले छोटे खुदरा कारोबारियों के बीच डिजिटल भुगतान को अपनाने में हुई प्रगति पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। सरकार ने करीब छह साल तक यूपीआई भुगतान को पूरी तरह निःशुल्क रखने के बाद इस साल 15 अक्टूबर से इस मंच के जरिये कारोबारियों या दुकानदारों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। इस शुल्क का भुगतान व्यापारी को करना होगा और ग्राहकों पर इसका बोझ नहीं पड़ेगा।

वर्षों से हुई प्रगति को पीछे धकेल सकती है : आरएआई ने अपने बयान में आगाह किया कि यह शुल्क भारत के सबसे छोटे खुदरा कारोबारियों के बीच डिजिटल भुगतान को अपनाने में वर्षों में हुई प्रगति को पीछे धकेल सकता है, वह भी ठीक ऐसे समय जब त्योहार आने वाले हैं।

ज्यादातर भुगतान बचत या चालू खाते से

खुदरा क्षेत्र का यह संगठन बड़े प्रारूप वाले और विशेष खुदरा कारोबार से लेकर ई-कॉमर्स एवं त्वरित वाणिज्य तक के कारोबारियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। संगठन ने सभी यूपीआई लेनदेन को एक समान मानने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि ऐसे ज्यादातर भुगतान सीधे बचत या चालू खाते से होते हैं और डिजिटल डेबिट लेनदेन की तरह काम करते हैं। इनमें क्रेडिट नेटवर्क पर शुल्क लगाए जाने को उचित ठहराने वाली इंटरचेंज लागत या ऋण जोखिम नहीं होता।

बिजनेस साइट

एनएमडीसी, बस्तर के धावक फुलधर की सहायता करेगा



रायपुर। एनएमडीसी बस्तर के धावक फुलधर नेताम की व्यापक सहायता करने के लिए तैयार है, जो एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन की ओपन श्रेणी में विजेता के रूप में उभरे हैं, जिसका उद्देश्य उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में आगामी बोस्टन मैराथन में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम एक बेहतरीन एथलीट के रूप में विकसित करना है।

- बोस्टन मैराथन के लिए विकसित करने का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के रहने वाले पुलिस कर्मी फूलधर नेताम ने मैराथन में 2 घंटे और 45 मिनट का समय लिया। एनएमडीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने उनकी उपलब्धि के लिए उन्हें सम्मानित किया और 5 लाख रुपए का चेक सौंपा। एनएमडीसी के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार ठाकुर ने कहा कि कंपनी नेताम की सहायता के लिए कोचिंग, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, व्यावसायिक सुविधाओं की उपलब्धता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी सहित सभी संभावित मार्गों की तलाश करेगी।

अभी मुख्य फोकस नेताम को बोस्टन मैराथन में प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और अनुभव दिलाने में है, जो दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित लंबी दूरी की दौड़ में से एक है। एनएमडीसी और हैदराबाद रनर्स सोसाइटी भी इस इवेंट में उनकी एंट्री सुनिश्चित करने में मदद करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं।

170 धावकों में से चुने गए

नेताम बस्तर और दंतेवाड़ा के लगभग 170 धावकों में से एक हैं, जिन्हें इस वर्ष हैदराबाद मैराथन में भाग लेने के लिए एनएमडीसी द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस क्षेत्र से धावकों की पहचान की गई और उन्हें प्रारंभिक प्रशिक्षण, यात्रा, आवास, दौड़ने के लिए किट और अन्य लॉजीस्टिक सहायता प्रदान की गई।

Government of Jharkhand
Rural Works Department
JHARKHAND STATE RURAL ROADS DEVELOPMENT AUTHORITY (JSRRDA)
3rd Floor, F.F.P. Building, Dhurwa, Ranchi 834004

NOTICE INVITING TENDERS
(National Competitive Bidding Through e-Procurement)
Re-eTender No.- 28/ 2026-27- Ranchi, Dated: 16.09.2026
PR No- 368582 dated 29.04.2026

The undersigned on behalf of Government of Jharkhand invites item rate bids through e-Procurement from the eligible bidders registered* in appropriate class with any State/Central Government/State /Central Government Organization for construction and maintenance for five years of the works (List of schemes shall be displayed in the website pmgsytendersjhr.gov.in) of Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna PM-JANMAN (Batch-II, 2025-26).

Sl. No	District Name	Block Name	Package No.	Re-Package No.	Road Name / Bridge Name	Road /Bridge Length (Kms/m)	Construction Cost (Rs. in Lakh)	Maintenance Cost (Rs. in Lakh)	Total Cost (Rs. in Lakh)	Earnest Money (Rs. in Lakh)	Time period (in Months)
1	Palamu	Chainpur	JH17JAN2 ACP011	JH-17-PMJANMAN - II-PAL -05 / 2025-26 (4th Call)	L043-Ramkanda Daltonganj rcd road to Hisra to karma via Temrari	4.175	354.68	31.74	649.59	13.00	15
	Palamu	Chainpur	JH17ACP-B13		HL RCC Bridge over Sukradih River at CH 2+400 of Ramkanda Daltonganj rcd road hisra to Karma via Te	40.640m	260.6	2.57			
2	Palamu	Chainpur	JH17JAN2 ACP007	JH-17-PMJANMAN - II-PAL -08 / 2025-26 (3rd Call)	L042-Pachlewa babhandih reo road pachlewa to kharwa mahua damar	2.6	238.63	9.69	664.00	14.00	15
	Palamu	Chainpur	JH17ACP-B08		HL RCC Bridge over Kani Jharia River at CH 1+550 of Pachlewa Babhandih Reo road Pachlewa to Kharwa	20.640m	152.75	1.98			
	Palamu	Chainpur	JH17ACP-B09		HL RCC Bridge over Piprahi Nala River at CH 2+200 of Pachlewa Babhandih Reo road Pachlewa to Kharwa	40.640m	258.35	2.6			
3	Palamu	Chattarpur	JH17JAN2 ACP013	JH-17-PMJANMAN - II-PAL -12 / 2025-26 (3rd Call)	L028-kalapahar main road to thekahi	1.565	137.35	10.38	387.35	8.00	15
	Palamu	Chattarpur	JH17JAN2 ACP016		L027-sirha village via sibandih to panawatar	2.65	220.45	19.18			

The bid should be submitted online in the website **pmgsytendersjhr.gov.in**. The bidders should have valid Digital Signature Certificate for online submission of bid.

Details of bid submission is as under:

Procurement Officer	Place of Opening	Availability of tender (on-line) for bidding		Last date & time of seeking clarification	Last date and time of bid submission	Date & time of opening (on-line) of tender	
		From	To			Technical bid	Financial bid
1	2	3	4	5	6	8	9
Engineer in Chief, JSRRDA, Ranchi	Engineer in Chief JSRRDA, Ranchi	**21.09.2026 at 10.00 AM**	**30.09.2026 upto 5.00 PM**	**25.09.2026 upto 2.00 PM**	**30.09.2026 upto 5.00 PM**	**30.09.2026 at 05.30 PM**	To be informed later

** Non-registered bidders may also submit bid, however the successful bidders must get registered in appropriate class with appropriate authority before signing the contract.*
*** Cost may change.*

Note:-
1. Amount of Bid Security should be taken as mentioned in the Bid Data Sheet of the Bidding Document.
2. Cost of Bid Document (Rs. 10000) and Bid Security (as mentioned in the Bid Data Sheet) shall be deposited **online** in form as mentioned in Bid Data Sheet failing which the bid will be treated non responsive and action shall be taken as per Sec. 2 of ITB clause 12.2 (d).
3. In case, it is found, even after the award of work that the bidder has submitted/ uploaded any false/erroneous/fraudulent statement/document, he/she is liable for blacklisting and forfeiture of Bid Security.
4. Bidders must submit GST registration certificate without which bid is liable to be rejected.
5. Bidders whose names appear in the Debar/blacklist of RWD or any department of GoJ/GoI (including JSRRDA) shall not be allowed to participate in the above bids.
6. Bids submitted by bidders, who have long pending ATR(s) made inordinate delay in execution of earlier allotted construction/ maintenance works of PMGSY, may be rejected summarily.
7. In case of any discrepancy/dispute about units in BOQ, units as mentioned in Current SOR on which BOQ has been prepared shall prevail.
8. Participating bidders are free to submit one time grievances, if any, against the decision of technical evaluation within five days from the date of uploading of decision of technical evaluation only through email at **jh-ce@pmgsy.nic.in** Grievance submitted after stipulated period shall not be considered.
9. Bidders must have valid registration with Employee Provident Fund organization under EPF and Miscellaneous Provisions Act 1952 failing which the bid shall be rejected.
10. Bidders must not quote rate for routine maintenance. The amount for routine maintenance as indicated in the Bill of Quantities must be acceptable to bidders.
11. For unbalanced bids, extra security will be required to be deposited by the bidder at the time of Agreement.
12. The undersigned reserves the right to cancel the tender at any stage without giving prior notice/reason.

All other details can be seen in the bidding document which is available in website **pmgsytendersjhr.gov.in** as per schedule mentioned above.

Engineer-in- Chief
Rural Works Department- Cum-
JSRRDA, Ranchi

PR 389891 Rural Work Department(26-27).D

तीन लाख तक की निर्यात खेप के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जरूरी नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने तीन लाख रुपये तक मूल्य वाले निर्यात पर पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इस कदम का उद्देश्य नए और छोटे निर्यातकों पर अनुपालन का बोझ कम करना है। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस फैसले से डाक, कूरियर और अन्य उभरते माध्यमों से भी निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र निर्यात संवर्धन परिषद या संबंधित जिंस बोर्ड जारी करता है। यह प्रमाणपत्र आमतौर पर यह साबित करता है कि निर्यातक संबंधित निर्यात संगठन के साथ पंजीकृत है। अबतक नए या कभी-कभार कम मूल्य का सामान निर्यात करने वालों को पहले संबंधित पंजीकरण संस्था की पहचान करनी पड़ती थी, जरूरी दस्तावेज जमा करने होते थे और निर्यात शुरू करने से पहले पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होती थी।



पहले अतिरिक्त अनुपालन का बोझ पड़ता था

इससे उन पर अतिरिक्त अनुपालन का बोझ पड़ता था। मंत्रालय ने कहा, ''डीजीएफटी ने विदेश व्यापार नीति, 2023 में संशोधन किया है। इसके तहत अब तीन लाख रुपये तक एफओबी (जहाज पर लदान कीमत) मूल्य वाली निर्यात खेप के लिए आरसीएमसी या पंजीकरण प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी, जबकि पहले यह अनिवार्य था।'' हालांकि, तीन लाख रुपये से अधिक मूल्य वाले निर्यात माल के लिए वैध आरसीएमसी की जरूरत बनी रहेगी।

ईवी अपनाने में दिल्ली फिर आगे निकली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को अपनाने के मामले में सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के बीच शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। नीति आयोग की तरफ से जारी सूचकांक में महाराष्ट्र दूसरे और कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहा। नीति आयोग की 'इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स 2025' रिपोर्ट में दिल्ली को 84 अंक मिले। इसमें महाराष्ट्र 78 अंक के साथ दूसरे, कर्नाटक 73 अंक के साथ तीसरे, चंडीगढ़ 71 अंक के साथ चौथे और गोवा 65 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहा। बड़े राज्यों में महाराष्ट्र और कर्नाटक का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा, जबकि पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों की श्रेणी में मणिपुर शीर्ष पर रहा। केंद्रशासित प्रदेशों और शहरी राज्यों में दिल्ली, चंडीगढ़ और गोवा ने अपने समकक्षों से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। यह सूचकांक परिवहन के विद्युतीकरण, चार्जिंग बुनियादी ढांचे की तैयारी तथा ईवी अनुसंधान एवं नवाचार क्षेत्रों के आधार पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इलेक्ट्रिक परिवहन की प्रगति का आकलन करता है।



एक्सिस बैंक की एराइज होमकमिंग पहल शुरू

रायपुर। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज 'एराइज होमकमिंग' पहल शुरू करने की घोषणा की। यह पहल उन भारतीय टैलेंट के लिए है जिन्होंने विदेश में पढ़ाई की है और जो भारत में करियर के मौके तलाश रहे हैं। यह प्रोग्राम उन भारतीय छात्रों के लिए है जो विदेश की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई कर रहे हैं या जिन्होंने हाल ही में अपनी पढ़ाई पूरी की है और साथ ही उन प्रोफेशनल्स के लिए भी है जिनके पास दो साल तक का इंटरनेशनल वर्क एक्सपीरियंस है। एक्सिस बैंक की हायरिंग पॉलिसी को भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए यह प्रोग्राम अलग-अलग डिग्री, विषयों और संस्थानों के कैंडिडेट्स का स्वागत करता है, जिसमें स्किल्स, क्षमता और रोल के लिए उपयुक्तता पर खास ज़ोर दिया जाता है।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञानसंस्थान (सिम्स चिकित्सालय) बिलासपुर छ.ग.
FAX (O) - 07752-224200, PHONE (O)- 07752-230030
Email- mscimsbsp@gmail.com

क्रमांक /3296/ औ.भ./सं.सं.अधि. /सिम्स चिकि. /2026 बिलासपुर, दिनांक 08.09.2026

द्वितीय ई-आमंत्रण सूचना निविदा वर्ष 2026-27

1. पेंशनर एवं लोकल परचेस हेतु सिस्टम टेंडर नंबर :- 196114
2. कन्ज्यूमेबल एवं सर्जिकल सामाग्री आपूर्ति सिस्टम टेंडर नंबर :- 196126
3. इम्प्लांट एवं इंस्ट्रूमेंट सेट आपूर्ति सिस्टम टेंडर नंबर :- 196135

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर अंतर्गत वर्ष 2026-27 में 1. विभिन्न लोकल परचेस एवं पेंशनर दवाईयां, 2. कन्ज्यूमेबल एवं सर्जिकल सामाग्री, 3. इम्प्लांट एवं इंस्ट्रूमेंट सेट आपूर्ति हेतु पृथक- पृथक द्वितीय ई-निविदा शासकीय वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** के माध्यम से ऑनलाईन आमंत्रित किया जाता है।

निविदा प्रारंभ तिथी

वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** ई प्रोक्योरमेंट के माध्यम से 26.07.2026 समय प्रातः 10.00 बजे से

निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय-(दवाई आपूर्ति) 01.10.2026 समय रात्रि 11.59 बजे तक

निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय-(कन्ज्यूमेबल एवं सर्जिकल) 01.10.2026 समय रात्रि 11.59 बजे तक

निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय-(इम्प्लांट एवं इंस्ट्रूमेंट सेट) 01.10.2026 समय रात्रि 11.59 बजे तक

निविदा खोलने की तिथी एवं समय- 1. लोकल परचेस एवं पेंशनर दवाईयां, 2. कन्ज्यूमेबल एवं सर्जिकल सामाग्री, 3. इम्प्लांट एवं इंस्ट्रूमेंट सेट 05.10.2026 समय सायं 4:00 बजे।

निविदा का विस्तृत विवरण शासकीय वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर देखा जा सकता है।

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
G-262703262/3 **सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर (छ.ग.)**

निचले स्तर पर खरीदारी से बाजार में तेजी लौटी

मुंबई। पिछले कारोबारी सत्र में गिरावट के बाद निचले स्तर पर लिवाली से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी आई। बैंक शेयरों की अगुवाई में मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 333 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी 23,200 अंक के पार चला गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 332.63 अंक चढ़कर 74,336.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 502.04 अंक की तेजी के साथ 74,505.86 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी भी 99 अंक की बढ़त के साथ 23,217.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरे-309)

टेक्नीशियन/हेल्पर

आवश्यकता है- हार्डवेयर नट बोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है योग्यता- पांचवी/ बारहवीं वेतन- 15000/- से योग्यतानुसार कार्य स्थान- बॉम्बे मार्केट, राज टॉकीज के सामने, रायपुर छत्तीसगढ़ कॉलिंग समय - सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक मो- 9993244000. (आरे-4176)

वेल्डर/आपरेटर

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु वेल्डर, लेथ मशीन एवं गैस कटिंग ऑपरेटर की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें:- स्थान बाराडेरा- धनसुली, मंदिर हसौद, रायपुर। मो. 7024347173. (आरे-074)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्समैन

आवश्यकता है- नया रायपुर में आवासीय डायवर्ट प्लॉट मार्केटिंग हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है संपर्क समय सुबह 10.00 से शाम 6.00 तक 9329101032, 9907373228. (आरे-073)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर (सिविललाइन्स) स्थित प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5 वर्ष शिक्षाः न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 20,000 प्रतिमाह रहने की व्यवस्था है स्थानः सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क : 9109972720, 9109125252. (आरे-0m)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार,रायपुर, फोनः 7224926767. (आरे-006)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर/लैब सहायक

आवश्यकता है- ड्राइवर, बढ़ाई, घर के लिए बाई, कंप्युटर technician, लैब सहायक संपर्कः model english school civil lines raipur वाट्स अप करे 9425214413, 9329621221. (आरे-meeth)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515. (आरे-4171)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Property प्रापर्टी

मकान/जमीन

बेचना है - धमतरी, नवा, कुरूद खैरा में मकान जमीन बेचना हैः- कृषि भूमि 2.32, 1.90 एकड़ (65 लाख प्रतिएकड़ की दर) एक मुश्त खरीदी पर पाए डिस्काउंट एंव आवासीय मकान 583.16 वर्गमी.(40 लाख), दुकान किराये पर देना (पुराना बाजार के फ्रंट मेन रोड़) संपर्क 8319543194. (आरे-207)

प्लॉट बेचना है - बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें- 7898855268. (RO-41750)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिविल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। संपर्कः- 9350674841, 9350674841. (आरे-072)



आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी दावे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करे। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों को हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कटघोरा वनमण्डल, कटघोरा, जिला- कोरबा (छ.ग.)
फोन/ फैक्स नं. 07815-250157

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कटघोरा वनमण्डल के अंतर्गत कसनिया काष्ठागार में नीलाम दिनांक 18.09.2026 को रखी गई निम्नानुसार ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा/व्यापारिक बांस/औद्योगिक बांस का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/काष्ठागार कसनिया से प्राप्त की जा सकती है।

अ.क्र.	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष		नया वनोपज		योग	
		लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी
		घ.मी.	नग	घ.मी.	नग	घ.मी.	नग
1	सागौन	489.427	10861			489.427	10861
2	साल	6069.314	7771			6069.314	7771
3	बीजा	536.374	780			536.374	780
4	तिन्सा	47.710	489			47.710	489
5	शीशम	0.000	0			0.000	0
6	खम्हार	0.208	32			0.208	32
7	हल्दू	17.901	17			17.901	17
8	साजा	284.127	1455			284.127	1455
9	धावड़ा	266.395	1537			266.395	1537
10	सलिहा	3.245	0			3.245	0
11	नीलगिरी	5.122	130			5.122	130
12	शीशु	0.000	0			0.000	0
13	अन्य	636.882	2931			636.882	2931
14	तेन्दू	22.152	17			22.152	17
	योग (काष्ठ)	8378.857	26020	0.000	0	8378.857	26020
14	सागौन जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
15	सतकठा जलाऊ	1250	चट्टा	0	चट्टा	1250	चट्टा
16	कर्रा जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
17	नीलगिरी	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
18	सलिहा जलाऊ	36	चट्टा	0	चट्टा	36	चट्टा
	योग (जलाऊ)	1286	चट्टा	0	चट्टा	1286	चट्टा
19	व्यापारिक बांस (नग)	0	नग	0	नग	0	नग
		0.000	नो.टन	0.000	नो.टन	0.000	नो.टन
20	औद्योगिक बांस (बण्डल)	426	बण्डल	0.00	बण्डल	426	बण्डल
		3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन
	योग (बांस)	3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन

G-262703263/2 वनमंडलाधिकारी कटघोरा, वनमंडल कटघोरा

आज शाम 7.30 बजे से भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का अंतिम मैच

'क्लीन स्वीप' पर भारत की नजर वैभव को मिल सकता है मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पहले दोनों मैच जीत कर श्रंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार को होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जिसमें वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को मौका मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले दो मैच में दमदार प्रदर्शन किया और अफगानिस्तान को खेल के हर विभाग में पस्त किया।

टीम संयोजन में हो सकता बदलाव

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि फिरोजशाह कोटला में होने वाले तीसरे और अंतिम मैच में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है ताकि सभी खिलाड़ियों को 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना होने से पहले जरूरी मैच अभ्यास का मौका मिल सके। अब तक के चयन से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत सूर्यवंशी को जगह देने के लिए कोई विशेष प्रयास करने को तैयार नहीं है। सूर्यवंशी ने जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर पदार्पण किया था क्योंकि तब संजू सैमसन सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। अब सैमसन और अभिषेक शर्मा दोनों ही अच्छी फॉर्म में हैं। यह दोनों खिलाड़ी एक ही प्रारूप में नियमित रूप से खेलते हैं और इसलिए वह भी विश्राम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में टीम प्रबंधन को बदलाव का फैसला करना होगा।



परिस्थितियों से परिचित हो जाएं खिलाड़ी

अय्यर ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी विकेट और परिस्थितियों से परिचित हो जाएं और अभ्यास भी कर लें। इसलिए यह उन खिलाड़ियों को मौका देने का अच्छा अवसर होगा, जो लंबे समय से बाहर हैं।' ईशान किशन को विश्राम देकर सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल करने का विकल्प भी मौजूद है। किशन ने राष्ट्रीय टीम में शामिल होने से पहले दलीप ट्रॉफी में पूर्वी क्षेत्र की कप्तानी की थी। सैमसन मौजूदा सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

रेड्डी और दुबे को नहीं मिला बल्लेबाजी का मौका

इसके साथ ही टीम प्रबंधन चाहेगा कि अय्यर और तिलक वर्मा को क्रीज पर कुछ समय बिताने का मौका मिले, क्योंकि शुरुआती दो मैचों में शीर्ष तीन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से बाकी बल्लेबाजों को खेलने का खास मौका नहीं मिला। आलम यह है कि नीतीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ियों को अभी तक बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला है। नीतीश कुमार रेड्डी ने मंगलवार को दूसरे मैच में 24 रन देकर तीन विकेट लिए जो टीम के लिए अच्छा संकेत है। उन्हें चोटिल हार्दिक पांड्या के बैकअप के रूप में देखा जाता है।



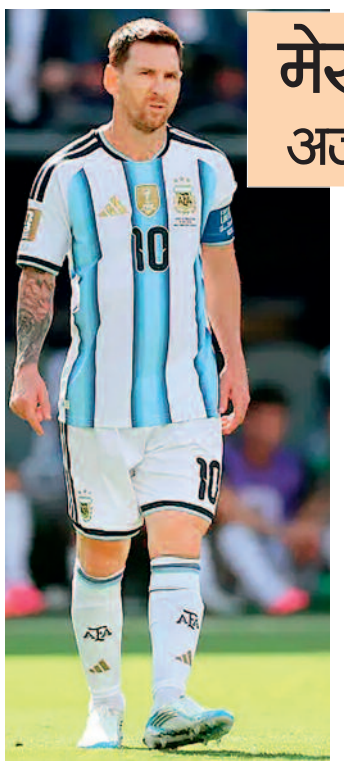

मेस्सी का ग्रैंड फेयरवेल
अर्जेंटीना की जर्सी में विदाई मैच

एजेंसी ⏭ ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेस्सी भले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले चुके हैं लेकिन यह स्टार स्ट्राइकर 6 अक्टूबर को अर्जेंटीना की तरफ से विदाई मैच खेल सकता है। क्लब स्तर पर इंटर मियामी की तरफ से खेल रहे 39 वर्षीय मेस्सी को घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मेस्सी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि वह टीम में शामिल होंगे या नहीं, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल के प्रमुख ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, जिससे वह शानदार तरीके से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह सकें। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने कहा, 'सीनियर राष्ट्रीय टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी के साथ बातचीत के बाद हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, हमारे आदर्श, हमारे कप्तान लियोनेल मेस्सी को आमंत्रित करने का फैसला किया, ताकि उन्हें छह अक्टूबर को वह विदाई मिल सके जिसके वे हकदार हैं।'

आईसीसी रैंकिंग : टॉप 2 पर पहुंचे अभिषेक



एजेंसी ⏭ दुबई

आईसीसी की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को जबरदस्त फायदा पहुंचा है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो टी20 में दमदार प्रदर्शन करने के साथ अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, ईशान किशन दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही सीरीज के पहले टी20 में 82 और दूसरे मुकाबले में 39 रनों की दमदार पारी खेलने के साथ ही अभिषेक ने एक स्थान ऊपर की छलांग लगाई हैं और उन्होंने साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक और ईशान किशन के बीच अब 51 रेटिंग प्वाइंट्स का फासला है। दूसरे टी20 में तूफानी अर्धशतकीय पारी खेलने का फायदा संजू सैमसन को भी मिला है। सैमसन चार पायदान ऊपर चढ़कर अब 30वें नंबर पर आ गए हैं।

14 जनवरी से डब्ल्यूपीएल 28 अक्टूबर को नीलामी



एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बताया कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का पांचवां सत्र 14 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा और इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में होगी। बीसीसीआई ने हालांकि अभी डब्ल्यूपीएल के आयोजन के लिए मेजबान शहरों के नामों का खुलासा नहीं किया है। बीसीसीआई ने कहा, 'महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी टी20 लीग के रूप में टाटा डब्ल्यूपीएल ने इस खेल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। यह लीग भारत और दुनिया भर की शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने के साथ उभरती प्रतिभाओं को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने के अवसर भी प्रदान करती है।' खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 28 सितंबर तय की गई है। बीसीसीआई ने कहा कि पांचों फ्रेंचाइजी को अपने मौजूदा दल के खिलाड़ियों को बरकरार रखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही वे आगामी सत्र के लिए अपने टीम संयोजन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू करेंगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम इंडिया का ऐलान, जडेजा की वापसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ल

पंजाब के युवा हरफनमौला नमन धीर और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में पहली बार शामिल किया गया है जबकि अनुभवी हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत अलग-अलग कारणों से टीम में जगह नहीं बना सके। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वनडे टीम में वापसी हुई है। श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में केएल राहुल वनडे टीम के उपकप्तान होंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज के इस दौरे का पहला वनडे तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में शामिल किया है। टी20 टीम में मयंक यादव और प्रिंस यादव को टीम में शामिल किया गया है।



पैरा निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप : मिली, मोना, अवनि को स्वर्ण

नई दिल्ली। मिली शाह, मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा ने दक्षिण कोरिया में चांगवोन 2026 डब्ल्यूएसपीएस पैरा निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल आर2 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राकेश निदागुंडी, आनंदा कृष्णा और स्वरूप उन्हालकर ने पुरुषों की दस मीटर एयर राइफल आर1 स्टैंडिंग एसएच 1 टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। महिला टीम ने कुल 1878.6 अंक लेकर पहला स्थान पाया। मोना को व्यक्तिगत वर्ग में रजत और अवनि को कांस्य पदक मिला। आर1 वर्ग में हाथों या पैरों में विकलांगता वाले पुरुष एथलीट 10 मीटर दूर स्थित टारगेट पर निशाना लगाने के लिए खड़े या बैठे हुए अपनी राइफल का पूरा वजन खुद ही संभालते हैं। आर2 में ऐसी महिला प्रतियोगी शामिल होती हैं, जिनके पैरों में अक्षमता होती है और जो खड़े होकर या बैठकर शूटिंग करते समय राइफल को खुद ही संभालती हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 2760 / लो.क.वि/न.पा.नि./2026 रायगढ़ दिनांक 16.9.26

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रांतर्गत स्वीकृत निम्नलिखित कार्य हेतु छ.ग. शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'अ' में PHE-SOR/2020 (Amendment No. 07/2022-23) से प्रचलित से दिनाँक 9-10-26 तक अपरान्ह 04:00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक 9-10-26 को अपरान्ह 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी। विस्तृत जानकरी नगर पालिक निगम, रायगढ़ कार्यालय एवं वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com/uad.cg.gov.in से अवलोकन व डाउनलोड कर सकते हैं।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत / अमानत राशि
1.	वार्ड क्र.28.29 में एसाईसीएल रोड मरीन ड्राईव कयाघाट के पास 200 एमएम डाया डीआई पाईप लाईन बिछाई कार्य।	07.22/ 5,500.00

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि., रायगढ़

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
79/SE E/M/2026-27 (I Call) System Tender No. Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage rate)	11 KV line, 11 KV DP Line, X-Mer DP Line & LT Line Shifting & Electrification Work Under Ongoing / Proposed Road widening work of Adbandha To Chandiyapathara Raod Dist.-Baloda-Bazar (C.G.)	Rs 19.94 Lacs
80/SE E/M/2026-27 (I Call) System Tender No Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage rate)	11 KV line, 11 KV DP Line, X-Mer DP Line & LT Line Shifting & Electrification Work Under Ongoing / Proposed Road widening work of Adbandha To Karhul Road Dist.-Baloda-Bazar (C.G.)	Rs 15.96 Lacs
81/SE E/M/2026-27 (I Call) System Tender No. Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage rate)	11 KV line, 11 KV DP Line, X-Mer DP Line & LT Line Shifting & Electrification Work Under Ongoing / Proposed Road widening work of Keshla To Musuadih Road Dist.- Baloda-Bazar (C.G.)	Rs 38.74 Lacs
82/SE E/M/2026-27 (I Call) System Tender No. Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage rate)	33 KV line, 33 KV DP Line, 11 KV line, 11 KV DP Line, 11 KV X-Mer DP Line, LT Line Shifting & Electrification Work Under Ongoing Proposed Road widening work of Risda Bypass Road Dist.-Baloda-Bazar (C.G.)	Rs 35.54 Lacs
83/SE E/M/2026-27 (I Call) System Tender No. Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage rate)	11 KV line, 11 KV DP Line, 11 KV X-Mer DP Line, LT Line Shifting & Electrification Work Under Ongoing Proposed Road widening work of Sandi To Keshla Road Dist.-Baloda-Bazar (C.G.)	Rs 41.79 Lacs

Date of bid submission 03-10-2026 The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

G-262703292/1

Superintending Engineer
P. W. D. (E & M) Circle Raipur (C. G.)

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग बलरामपुर वनमण्डल बलरामपुर (छत्तीसगढ़)

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बलरामपुर वनमण्डल के अंतर्गत काष्ठागार वाड्रफनगर में रखी इमारती लकड़ी/जलाऊ काष्ठ को निम्नलिखित तिथि व समय में ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार वाड्रफनगर से प्राप्त कर सकते हैं।

डिपो का नाम -काष्ठागार वाड्रफनगर
ई-नीलाम दिनांक - 25.09.2026, समय- प्रातः 09:00 बजे से

क्र.	वनोपज का विवरण	नया काष्ठ		पुराना काष्ठ	
		लट्ठा घ.मी.	बल्ली/ डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/ डेंगरी नग
1	2	3	4	5	6
A	इमारती काष्ठ				
1	सागौन	-	-	94.942	74
2	साल	214.314	-	3570.816	958
3	साजा	-	-	243.958	132
4	तिन्सा	-	-	-	-
5	बीजा, शीशम, खम्हार	-	-	18.122	10
6	हल्दु, मुडी, बांसा	-	-	61.617	4
7	धावडा	-	-	18.923	81
8	अन्य, मिश्रित (सेमल)	-	-	115.049	109
9	नीलगिरी	-	-	-	-
10	सलया	-	-	-	-
11	खैर काष्ठ	30.013	-	16.789	-
	योगः-	244.327	0	4140.216	1368
क्र.	प्रजाति विवरण				
1	जलाऊ चट्टा मिश्रित प्रजाति सा. 2.00 मी. X 1.25 X 0.80 मी.	000 चट्टा		414 चट्टा	

टीपः- 1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कोमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।

3. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं।

G-262703306/4

वनमण्डलाधिकारी
बलरामपुर वनमण्डल, बलरामपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग जगदलपुर जिला बस्तर

दूरभाष नम्बर-07782-222865, ई-मेल आईडी-eeresjagdalpur@gmail.com

क्रमांक /1975 / व. ले.लि. / ग्रायांसेवा / 2026-27 जगदलपुर दिनांक 03/09/2026

मैनुअल निविदा सूचना

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर प्रथम बार मैनुअल ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य बेलपुटी विकास खण्ड बकावण्ड	29.86	22/09/2026
2	फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य कोड़ेनार विकास खण्ड बास्तानार	29.86	22/09/2026
3	फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य कामानार विकास खण्ड दरभा	29.86	22/09/2026
4	फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य गढ़िया विकास खण्ड लोहण्डीगुड़ा	29.86	22/09/2026
5	फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य सिंगनपुर विकास खण्ड तोकापाल	29.86	22/09/2026

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों के निविदा की सम्बधी शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेब साइट http://res.cg.gov.in से भी दिनांक 12.09.2026. के पश्चात डाउनलोड की जा सकती है ।

(जे.के.गौर)
कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग जगदलपुर

G-262703279/2



जैकेट के शेष

रमन बोले-मोदी का नेतृत्व देश के लिए ...

और मैं एक छोटा कार्यकर्ता था, वे हमारे राष्ट्रीय महामंत्री संगठन के रूप में काम करते जब छत्तीसगढ़ के प्रभार में भी थे, उस समय भी मिलने का अवसर मिला।

0 जब नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया, तब आपकी पहली प्रतिक्रिया आपके आसपास की क्या थी?

00 मैं उस समय तक संगठन के राष्ट्रीय दायित्व में नहीं था, मगर वह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय रही कि पहली बार इस प्रकार का दायित्व सौंपा गया। कोई महामंत्री संगठन राजनीतिक दृष्टि से मुख्यमंत्री बन जाए, क्योंकि गुजरात की चुनौती बड़ी थी, और बड़ी चुनौती को संभालने के लिए एक मजबूत, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति की जरूरत थी। उस समय संगठन ने सही व्यक्ति का चुनाव किया, जो उस झंझावातों से उस गुजरात को आगे निकालने और विकास की दिशा में ले जाए तो मुझे लगता है कि वह निर्णय उस समय के नेतृत्व ने जो किया, वह बड़ा निर्णय था और उसका नतीजा भी देखने को मिला देश को।

0 पर जब आप मुख्यमंत्री बने तो नरेंद्र मोदी के साथ आपका मिलना-जुलना शुरू हुआ होगा, क्या देखते थे आप उस समय?

00 उस समय से ही हमारी मुलाकात, बातचीत होती थी और कई बार उनसे लंबी चर्चा भी होती थी, और मुझे लगता है कि हमारे भारतीय जनता पार्टी के शासित राज्य कम थे। कांग्रेस सरकार और कांग्रेस की जो नीतियां थीं, उसका विरोध प्रधानमंत्री की बैठक में किस प्रकार किया जाना है, नीतियों में जो बीजेपी के साथ उपेक्षा का भाव हो रहा है, उसमें मोदीजी का नेतृत्व सामने झलकता था, और वे उस जवाबदारी को संभालते थे कि आज किस बिंदु पर मनमोहन सरकार पर हमको अटैक करना है, बैठक के दौरान हमको किस-किस बात पर चर्चा करनी है। इसमें सबसे तेजी के साथ वसुंधरा राजे थीं, नरेंद्र मोदी थे और हमारे वरिष्ठ मुख्यमंत्री थे, मगर मोदीजी की भूमिका निर्णायक होती थी।

0 नरेंद्र मोदी से नेता के तौर पर प्रभावित होने का अवसर कब आया? आपको लगा कि नेता हो तो नरेंद्र मोदी जैसा?

00 नहीं, देखिए, नरेंद्र मोदीजी के व्यक्तित्व का विकास उनकी संघर्षशीलता में ही दिखता था, और जब एक बड़ी चुनौती को स्वीकार किया, उस समय से डॉ. रमन को यह महसूस होने लगा कि आने वाले समय में वे पीएम होंगे। उसके बाद तो हम लोग मिलते रहे, कई बार उनको छत्तीसगढ़ हमने बुलाया, कई कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ आए, कई विषयों को लेकर हम गुजरात भी गए।

0 बड़ी त्रासदी थी भुज का भूकंप तो भुज में जिस तरीके से उन्होंने उस मामले को डील किया, उससे आप बड़े प्रभावित हुए? उस समय मोदीजी से कोई बातचीत होती थी आपकी?

00 बिल्कुल होती थी और बात करते थे। बड़ी घटनाएं होती थीं, उस समय वे हिम्मत दिलाते थे और बोलते थे कि यह लड़ाई का एक हिस्सा है, एक फेज है। इसमें पीछे नहीं हटना है, घबराने की जरूरत नहीं है, और वो तो ये भी बोलते थे कि देश की सबसे बड़ी लड़ाई आप लड़ रहे हो, हम सब आपके साथ हैं। नक्सलवाद उस समय देश की सबसे बड़ी समस्या थी, देश-दुनिया में एक समस्या के रूप में थी। उस समस्या से जूझने के लिए जब भी हम लोग बैठते थे और प्रधानमंत्री की बैठक में बैठते थे, हमारे मुख्यमंत्रियों की बैठक हमारे संगठन के लोग करते थे और विषय जब आता था तो नक्सल पर मुझे ही बोलना रहता था, पर वे उस विषय को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे और छत्तीसगढ़ के योजनाओं का अध्ययन उनको था। जैसे ही हमने चावल की योजना शुरू की, मैंने फोन लगाया मोदीजी को, कि एक हम नई योजना शुरू कर रहे हैं, गरीबों के लिए चावल की योजना। तुरंत वे बोले कि बहुत अच्छी योजना है और उसका क्रियान्वयन कैसे होता है, यह देखना है और उनकी निगाह हमेशा रहती थी कि योजना तो आप बनाओ, मगर 100% उस योजना को फुलप्रूफ बनाओ।

0 आप 2003 में मुख्यमंत्री बने, 2004 में पार्टी हार गई लोकसभा का चुनाव। फिर 2009 आया, लालकृष्ण आडवाणीजी को चेहरा बनाया, बड़ी उम्मीद आप लोगों ने बांधी, फिर हार गए तो उसके बाद मोदीजी पर दांव लगाएं, यह पार्टी ने तय किया?

00 उस घटना का मैं गवाह हूं। जब राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हो रही थी और उस बैठक में यह निर्णय किया जा रहा था कि चेहरा कौन होगा प्रधानमंत्री का या चुनाव का प्रभारी, संचालन कौन करेगा? अभियान समिति का प्रमुख कौन होगा, इस बात के लिए चर्चा हो रही थी, मगर एक चीज, मैं उस अभियान समिति में, कार्यसमिति में, बैठक में देखता था, सबसे मिलता रहता था, तो उस समय भी कोई वोटिंग हमारे यहां होती नहीं, मतदान होता नहीं कि किसी से वह किया है, राय ली जाती है, मगर जब मैं 80-90 प्रतिशत वरिष्ठ लोगों से और नए लोगों से, हमारे साथियों से पूछता था, एकमतेन सबके मुंह में, जुबान में यह बात रहती थी कि नेतृत्व चुनाव अभियान समिति में, मोदीजी को देने से बहुत अच्छा रिजल्ट आएगा और इनको दिया जाना चाहिए। विरले लोग ही थे, जो इनके विरोध में थे और एक प्रकार से वातावरण का निर्माण, राजनाथ सिंह शायद राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।

0 जब रायशुमारी हो रही थी तो आपने कहा, मैं भी बात कर रहा था, पर आपसे भी तो राय ली गई होगी तो रमन सिंह की राय क्या थी?

00 मुझसे भी राय ली गई और स्पष्ट रूप से राय ली गई, तो मैंने कहा, यह बेहतर चेहरा है, इससे बेहतर चेहरा कोई हो नहीं सकता। और मैं ही नहीं सहमत था, बहुत लोग हमारे साथ, अधिकांश लोग इससे सहमत थे। इसके बाद फैसला लिया गया, प्रधानमंत्री के संदर्भ में चेहरा नरेंद्र मोदी होंगे, क्योंकि चुनाव अभियान समिति की कमान पार्टी ने उन्हें दे दी।

0 आपका सबसे कठिन चुनाव था 2013 विधानसभा का। झीरम जैसा हादसा हो गया था। उस चुनौती के बीच में आपने चुनाव लड़ा?

00 छत्तीसगढ़ के 2013 के चुनाव में जो भूमिका, जैसे हम चुनाव को अलग-अलग देखे, तीन का चुनाव हुए, आठ का चुनाव हुआ, 13 का चुनाव हुआ। इन चुनावों में अलग-अलग भूमिकाओं में, वो चाहे लोकसभा और विधानसभा, एक साथ आगे-पीछे ही चलते हैं। 6 महीने 7 महीने का फर्क आता है। उस समय से हम लगातार हर चुनाव में देख रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में लोगों को प्रभावित करने की दृष्टि से और किसे आमंत्रित किया जाए तो उस समय से हमको यह लगता था कि आम कार्यकर्ता और लोगों का निगाह में यदि कोई एक चेहरा सबसे प्रमुखता से आता है तो वो नरेंद्र मोदी का नाम आता था।

0 तो कितनी मशक्कत करनी पड़ती थी आपको नरेंद्र मोदी को बुलाने में? वे तो प्रधानमंत्री का चेहरा हो गए थे।

00 बहुत आसान।

0 आपके मुख्यमंत्री रहते, नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री हुए। जब वे मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री हो गए, क्या बदलाव देखा आपने नरेंद्र मोदी में?

00 देखिए, मुख्यमंत्री थे तो बहुत समय रहता था, बातें बहुत होती थीं, चर्चा भी हम लोग काफी कर लेते थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी व्यस्तता को हम लोग देखते रहे कि किस प्रकार वे व्यस्त हैं, किस प्रकार पूरे देश में घूम रहे हैं, तो उनके स्वभाव में कोई फर्क तो नहीं आया, मगर उनकी व्यस्तता इतनी बढ़ गई कि वे इतनी जल्दी उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। यह बात समझ में आती है कि एक आदमी जब बड़े दायित्व में जाता है तो वैसा समय नहीं मिल पाता।

0 आपने दो भूमिकाओं में उन्हें देखा। एक संगठनकर्ता के तौर पर और एक प्रशासक के तौर पर। कौन-सी भूमिका में आपको मोदीजी ने ज्यादा प्रभावित किया?

00 बहुत ही सख्त और मेहनत करने वाले महामंत्री संगठन के रूप में देखा मैंने उनको, और प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके व्यक्तित्व में परिवर्तन भी आया। और वो परिवर्तन आया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों से किस प्रकार हर दिशा से कुछ न कुछ बात आए, सबसे बात करें, युवा से भी बात करें, बुजुर्ग से भी बात करें, वैज्ञानिकों से भी बात करें और शिक्षकों से भी बात करें, और सबसे पूछकर फिर निर्णय लेने की प्रक्रिया।

सेवा और संकल्प से विकसित...

इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प ने देश के विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा दी है।

पीएम मोदी ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनः जागृत किया है। 500 वर्षों के लंबे इंतजार और संघर्ष के बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का क्षण पूरे देश के लिए सांस्कृतिक स्वाभिमान का सूर्योदय था। काशी विश्वनाथ धाम का भव्य रूप, महाकाल लोक का विकास और देश भर में धरोहरों का संरक्षण, यह दर्शाता है कि विकास और विरासत साथ-साथ चलते हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वप्न को साकार किया। सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का संदेश दिया। प्रधानमंत्री जी ने नक्सलमुक्त भारत का संकल्प साकार किया, इससे बस्तर में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

वैश्विक पटल पर आज भारत की आवाज को सम्मानपूर्वक सुना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के कूटनीतिक कौशल का ही परिणाम है कि भारत की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने इतिहास रचा। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाना भारत के सॉफ्ट पावर का प्रमाण है। आज जब देश विकसित भारत के निर्माण का महान संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तो हम पर पूरी दुनिया की नजर है। विकसित भारत केवल एक आर्थिक लक्ष्य नहीं है, बल्कि भारत को पुनः विश्वगुरु के पद पर स्थापित करने की एक सांस्कृतिक प्रतिज्ञा भी है। मोदी जी की प्रेरणा के अनुरूप हम सब विकसित भारत के निर्माण के इस महायज्ञ में आहूति करेंगे और उनका संकल्प अवश्य पूरा करेंगे।



झीरम नरसंहार पर 10 को...

कुल 11 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें से एक की मृत्यु हो चुकी है। **हम संतुष्ट नहीं हैं-चौधरी:** बचाव बक्ष के अधिवक्ता अरविंद चौधरी ने कहा कि विशेष न्यायालय एनआईए कोर्ट ने आज जो फैसला दिया है उससे हम संतुष्ट नहीं हैं और इस सजा के खिलाफ हम उच्च न्यायालय में अपील प्रस्तुत करेंगे। इसके लिए 30 दिन का समय दिया गया है लेकिन हम इससे पहले ही अपील करेंगे। आईपीसी की सात धाराओं में मृत्युदंड दिया गया है, जिसमें आर्म्स एक्ट की धाराएं भी शामिल हैं, इसके खिलाफ हम जरूर अपील करेंगे और यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। इससे हम संतुष्ट नहीं है और परिवार वाले भी संतुष्ट नहीं हैं और हम उच्च न्यायालय में के सामने सारी बातों को रखेंगे। एनआईए कोर्ट द्वारा जो सजा सुनाई गई है इसे पुष्टि के लिए हाईकोर्ट भेजा जाएगा।

न्याय होना ही नहीं चाहिए न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए: झीरमघाटी मामले में फैसला आने के बाद अभियोजन पक्ष के वकील दिनेश पानीग्रही ने कहा कि न्याय होना ही नहीं चाहिए, बल्कि न्याय होते दिखना चाहिए। यह जो सैद्धांतिक स्वरूप है यह होना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को किसी भी समूह को किसी अपराध करने से विरक्त रहना चाहिए।

विपक्ष में थी कांग्रेस....

25 गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों में 200 नेता-कार्यकर्ता थे। सबसे आगे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और कवासी लखमा थे। उनके पीछे महेंद्र कर्मा और मलकीत सिंह गैदू की गाड़ी थी। उनके पीछे बस्तर के कांग्रेस प्रभारी उदय मुदलियार चल रहे थे। प्रदेश कांग्रेस की पूरी टॉप लीडरशिप इस काफिले में थी। दोपहर करीब 3:40 बजे काफिला झीरम घाटी में पहुंचा। यहीं नक्सलियों ने पेड़ गिराकर रास्ता बंद कर दिया। गाड़ियां रुकते ही 2 सौ से अधिक नक्सलियों ने सड़क के दोनों ओर से फायरिंग शुरू कर दी। हमले में नंदकुमार पटेल और उनके बेटे दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक फायरिंग होती रही। शाम करीब 5:30 बजे नक्सली पहाड़ों से उतरकर नीचे आए और एक-एक गाड़ी चेक की। एक गाड़ी में उन्हें सलवा जुडूम आंदोलन शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा मिल गए। आंदोलन की वजह से नक्सली महेंद्र कर्मा को दुश्मन समझते थे। उन्होंने बेरहमी से महेंद्र कर्मा की हत्या कर दी।

सवाल बरकरार...

वह न्यायपालिका और अदालत के इस कठोर फैसले का दिल से सम्मान करती हैं, लेकिन उनके लिए यह न्याय अभी अधूरा है। 10 प्यादों को सजा मिलना तसल्ली दे सकता है, मगर असली सवाल तो यह है कि उस खूनी साजिश का मास्टरमाइंड आखिर कौन था? किसकी शह पर लोकतंत्र के इस सबसे बड़े नरसंहार को अंजाम दिया गया था?

अनिता शर्मा का परिवार आज भी उस कड़वे सच को जानने की आस में बैठा है कि जिस हमले में राज्य के शीर्ष नेतृत्व को एक झटके में खत्म कर दिया गया, क्या उसकी भनक उस वक्त के जिम्मेदार तंत्र को सचमुच नहीं थी? अगर सब कुछ अचानक हुआ, तो फिर साजिश के पीछे छिपे असली चेहरों तक जांच की आंच क्यों नहीं पहुंच सकी? फैसला अदालत के कागजों पर दर्ज हो चुका है, पर जो परिवार हर दिन इस दर्द को जीते हैं, उनके लिए अभी न्याय बाकी है।

लॉस एंजिल्स, अमेरिका में हादसा

बस हादसे को लाइव दिखा रहे न्यूज चैनल का हेलीकॉप्टर क्रैश

एनबीसी की पत्रकार पायलट सहित 3 की मौत

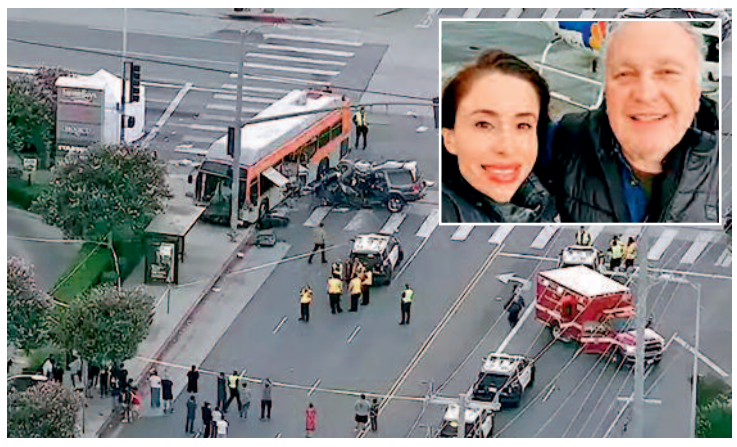

एजेंसी ▶▶| लास एंजिल्स

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में मंगलवार शाम एनबीसी न्यूज का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। हेलिकॉप्टर एक बस और एसयूवी की टक्कर की कवरेज कर रहा था। हादसे की खबर मिलते ही एनबीसी लॉस एंजिल्स ने लाइव कवरेज रोक दी। हेलिकॉप्टर में पायलट जॉर्ज मार्सिनिव और फोटो जर्नलिस्ट एलियाना मोरेनो सवार थे। दोनों की मौत हो गई। जमीन पर मौजूद एक शख्स की भी हादसे में मौत हुई है। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, हादसे के बाद 2 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत की जानकारी नहीं दी गई। हेलिकॉप्टर क्रैश से करीब 2 घंटे पहले नॉर्थहॉफ स्ट्रीट पर लॉस एंजिल्स मेट्रो बस और एक यात्री वाहन की टक्कर हुई थी। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, इस हादसे में 2 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हुए। एनबीसी के मुताबिक, कई न्यूज हेलिकॉप्टर इस हादसे की कवरेज कर रहे थे। ये हेलिकॉप्टर भी उन्हें में शामिल था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन हेलिकॉप्टर क्रैश की जांच करेंगे। लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने हादसे को शहर के लिए 'दिल तोड़ने वाली रात' बताया।

स्टोरेज फैसिलिटी की पार्किंग में गिरा हेलिकॉप्टर

हेलिकॉप्टर लॉस एंजिल्स के सैन फर्नांडो वैली के चैट्सवर्थ इलाके में एक सेल्फ-स्टोरेज फैसिलिटी के पास पार्किंग में गिरा। इसके बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई और पास खड़ी गाड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं।

पेज एक के शेष

छग सरकार का बड़ा फैसला...

जारी किया जा सकेगा।

सभी विभागों को कड़ाई से पालन के निर्देश : छत्तीसगढ़ शासन ने इस आदेश की प्रति राज्य के समस्त शासन के विभागों, राजस्व मंडल बिलासपुर, समस्त संभागीय आयुक्तों, विभागाध्यक्षों और सभी जिला कलेक्टरों को भेजकर इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के उन हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी जो कागजी अभिलेखों की तकनीकी विसंगतियों के कारण अपने प्रमाण पत्र नहीं बनवा पा रहे थे।

बड़ी खुशखबरी, पीएफ...

वृद्धि तथा संगठित क्षेत्र में बढ़े रोजगार को देखते हुए अब इसे बढ़ाकर 25,000 रुपए किया गया है। इस फैसले से सालाना करीब 11,339 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आने का अनुमान है, जबकि मौजूदा वार्षिक बजटीय सहायता करीब 10,250 करोड़ रुपये है। पांच वर्षों में अनुमानित खर्च करीब 56,696 करोड़ रुपए होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस फैसले से अधिक कर्मचारियों को भविष्य निधि बचत, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन सुरक्षा और कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) के तहत बीमा सुरक्षा का लाभ मिलेगा। इस बदलाव से भविष्य निध अंशदान और पेंशन योग्य वेतन की व्यवस्था को मौजूदा वेतन स्तर के अनुरूप बनाने में भी मदद मिलेगी। फिलहाल 15,000 रुपए से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला नया कर्मचारी स्वतः ईपीएफ के दायरे में नहीं आता है। वेतन सीमा बढ़ने से 15,000 से 25,000 रुपए मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में शामिल हो जाएगा।

पीएससी ने स्थगित की...

साक्षात्कार से पहले सभी अभ्यर्थियों की उत्तरपुस्तिकाएं उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि कैंडिडेट्स स्वयं जांच कर सकें। इसके अलावा स्थिति स्पष्ट हो जाने तक 2025 के साक्षात्कार स्थगित करने की मांग भी की गई थी। गौरतलब है कि छग शासन के अंतर्गत राज्य सेवा परीक्षा-2025 के माध्यम से विभिन्न 20 विभागों के विज्ञापित 265 पद भरे जाएंगे। प्रारंभिक परीक्षाएं फरवरी माह में आयोजित की गई थी। इसके पश्चात मुख्य परीक्षाएं जून में आयोजित की गई। इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची 31 अगस्त को जारी की गई थी। मुख्य परीक्षाओं के परिणाम जारी होने के कुछ दिनों पश्चात से ही विवाद की स्थिति प्रारंभ हो गई है।

न्यूनतम अंक को लेकर भी...

265 पद निकाले गए थे। नियम के अनुसार 1:3 के अनुपात में 795 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना था, लेकिन केवल 608 अभ्यर्थी ही क्वालीफाई हो पाए। आयोग के अनुसार, पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी निर्धारित न्यूनतम अंक हासिल नहीं कर सके, इसलिए कम संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। भूपेश बघेल ने मांग की है कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि इतने सारे छात्र न्यूनतम अंक क्यों नहीं ला सके।

राशिफल

मेष आज आपकी राशि में सूर्य, बुध, मंगल आदि ग्रहों का प्रभाव है। नई योजनाओं पर अमल करें, लेकिन जल्दबाजी से बचें। खरीदारी से खुशी मिलेगी।

वृष संपत्ति या खरीदारी संबंधी फैसले फायदेमंद साबित होंगे। परिवार के साथ समय बिताएं, रोमांस में मिठास आएगी।

मिथुन संचार और विचारों में तेजी आएगी। नए संपर्क बनेंगे, लेकिन निर्णय लेते समय सावधानी बरतें। यात्रा या छोटे कामों में सफलता मिल सकती है।

कर्क आज आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन पर जोर रहेगा। परिवार से संबंध मजबूत होंगे। करियर में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य रखें।

सिंह ऊर्जा और आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व के अवसर मिलेंगे। करियर में प्रगति संभव, लेकिन टीम वर्क पर ध्यान दें। प्रेम में रोमांस फलेगा।

कन्या व्यवस्थित दिन रहेगा। काम की बारीकियों पर फोकस करें, सफलता मिलेगी। वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें। प्रेम में समझदारी दिखाएं।

तुला धन संबंधी फैसले सकारात्मक रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

वृश्चिक गहन विचार और रहस्यों में रुचि बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में सतर्क रहें, लेकिन निवेश के अवसर मिल सकते हैं। प्रेम में गहराई आएगी।

धनु करियर में प्रगति, लेकिन योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन लाभ संभव। प्रेम जीवन आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन अति सक्रियता से बचें।

मकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। धन का प्रबंधन अच्छा करें। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन ठंड या थकान से सावधान रहें। दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं।

कुंभ करियर में अप्रत्याशित अवसर आ सकते हैं। प्रेम में रोमांच रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य, लेकिन मानसिक शांति बनाए रखें। दोस्तों से मदद मिलेगी।

मीन भावनात्मक गहराई आज बढ़ेगी। आध्यात्मिक रुचि बढ़ सकती है। करियर में सावधानी बरतें, छोटी चुनौतियां आ सकती हैं। धन पर नियंत्रण रखें।

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विक्रेतागण-

1. श्रीमती कमलेश्वरी वर्मा, पिता-जीवन लाल वर्मा, निवासी-मंदिर चौक, कोसमंदी, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.)।
2. श्रीमती प्रमिला बाई, पिता-ईश्वर प्रसाद वर्मा, निवासी-मुसवाडीह, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.)।
3. श्री मनोज कुमार वर्मा, पिता-जीवन लाल वर्मा, निवासी-मुसवाडीह, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.)।
4. श्रीमती योगिता वर्मा, पिता-जीवन लाल वर्मा, निवासी-मोहगांव, जिला रायपुर (छ.ग.)।
5. श्रीमती लक्ष्मी नायक उर्फ लक्ष्मी वर्मा, पिता-जीवन लाल वर्मा, निवासी-रामपुर, भांड़, जिला बेमेतरा (छ.ग.)।
6. श्री आशीष कुमार वर्मा, पिता निवासी: मुसवाडीह, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.)। की हक, स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की निम्नलिखित संपत्ति के संबंध में हमारी पक्षकार श्री मती श्वेता संजय शर्मा, पति-श्री संजय शर्मा, निवासी-महावीर चौक, जामगांव, जिला गरियाबंद (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 12/09/2026 को विक्रय अनुबंध निष्पादित हो चुका है, जिसका विक्रय विलेख पंजीयन किया जाना शेष है। संपत्ति विवरण ग्राम मुसवाडीह, प.ह.नं. 39, रा.नि.मं. देवसुंदरा, तहसील पलारी, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.) स्थित भूमि- खसरा नं. 73/57 रकबा 1.6180 हे., 73/55 रकबा 0.8090 हे., 73/54 रकबा 4.4160 हे., 73/17 रकबा 1.2140 हे. एवं 73/56 रकबा 0.8090 हे. यदि उक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा शासकीय/अर्धशासकीय संस्था का कोई हक, स्वत्व, दावा, आपत्ति, ऋण, बंधक, भार, कब्जा, पूर्व विक्रय, अनुबंध, न्यायालयीन/राजस्व प्रकरण अथवा अन्य कोई अधिकार या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में कोई दावा/आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर क्रेता द्वारा विक्रय विलेख के पंजीयन की आगामी कार्यवाही की जाएगी। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त दावों/आपत्तियों के संबंध में क्रेता अपने सभी वैधानिक अधिकार सुरक्षित रखता है।

(Adv. Prem Tandan)
Counsel for the Client
Address: office & Resi. Village- Gujra, Post-Riwa Lakholi Tehsil-Arang, District- Raipur (C.G.) 493441, Mobile: 8770067092

गुमशुदा की तलाश



खेमचंद कोसरे

नाम- खेमचंद कोसरे पिता-पुनवा कोसरे उम्र -31 साल, पता- डिप्टी सिंघल, साखरकरवाड़ी ललवा पानठेले के पास पो. ठाणे कलमना नागपुर शहर से दिनांक 09/09/2026 को रात 12 बजे डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ के लिए ट्रेन से निकले थे, जो अभी तक नहीं पहुंचे हैं। **हुलिया :-** उंचाई 4''10, रंग- गोरा, बाल- काला, चेहरा-पतला, सिमेंट कलर का फुलशर्ट और नीले कलर का जिंस पहना हुआ है। दाहिने हाथ में रत्ना नाम का गोदना गोदा और बांये हाथ के भुजा में टेटू है। हिन्दी-छत्तीसगढ़ी बोलता है। जिन किसी सज्जन को इनके बारे में कोई सूचना मिले तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें।

संपर्क करें
मदन कोसरे (बड़े भाई), मो. 8482889443
त्रिवेणी कोसरे (भाभी), मो. 9028512153

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

दिनांक 11.09.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी क्र / निविदा क्र.	कार्य का नाम	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
NIT NO. 217 Tender No. 199285	धमतरी अनुविभाग के अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वाटर प्रुफिंग का कार्य ।	प्रथम आमंत्रण दिनांक 01.10.2026	रू. 16.94 लाख
NIT NO. 218 Tender No. 199286	कुरूद विश्रामगृह में लैण्डस्केपिंग एवं गार्डनिंग का कार्य		रू. 16.94 लाख
NIT NO. 219 Tender No. 199287	कुरूद अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न मुख्य जिला मार्गों में सड़क सुरक्षा कार्य ।		रू. 42.37 लाख
NIT NO. 220 Tender No. 199288	कुरूद अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न मुख्य जिला मार्गों में विशेष मरम्मत कार्य ।		रू. 84.74 लाख
NIT NO. 221 Tender No. 199289	नगरी अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गों में विशेष मरम्मत कार्य।		रू. 84.74 लाख
NIT NO. 222 Tender No. 199328	बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल भवन छड़िया विकासखंड पलारी का निर्माण कार्य ।		रू.66.50 लाख
NIT NO. 223 Tender No. 199329	भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत भंवरगढ़ से जांगड़ा मार्ग लंबाई 0.90 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य ।		रू. 79.78 लाख
NIT NO. 224 Tender No. 199330	उपसंभाग क्रमांक 2 गरियाबंद (देवभोग अंतर्गत) विभिन्न मार्गो पर डब्ल्यू. एम. एम. पेच (ईमल्शन के साथ) मरम्मत कार्य ।	पंचम आमंत्रण दिनांक 21.09.2026	रू.15.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.egstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू.100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर - 3 का शपथ पत्र बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें।

G-262703284/3

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि. रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6350

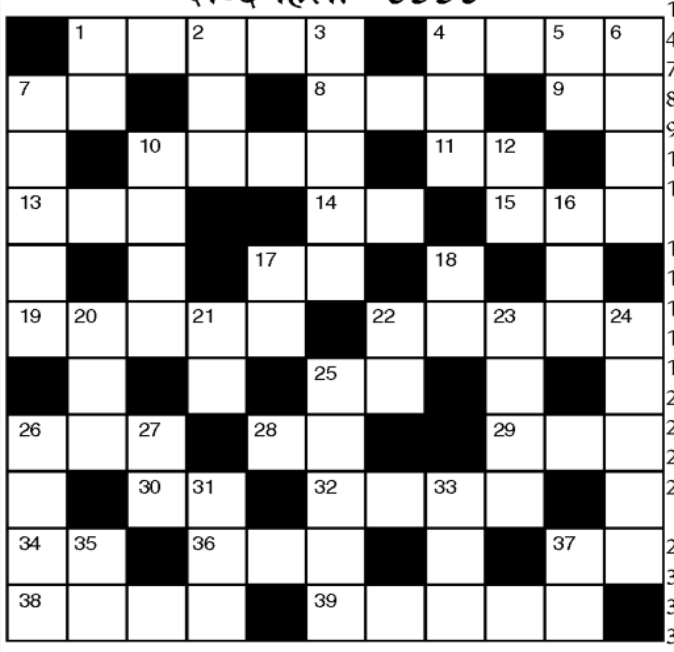

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दार्थ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6349 का हल



Contact with THE PM
on NARENDRA MODI APP

आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित करें

17 सितम्बर 2026 सायं 07:00 बजे

भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय

श्री नरेन्द्र मोदी जी

को जन्मदिन की शुभकामनाएं

देश के गरीब और वंचित जनसमुदाय की सेवा के लिए
जिसने अपना समस्त जीवन समर्पण किया
ऐसे हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन
सेवा दिवस के रूप में समर्पित....
आईये ! प्रण ले
एक सेवा कार्य करने का...





मान. श्री किरण देव सिंह जी

(प्रदेश अध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़) को
जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

आपका सेवक : **प्रीतेश गांधी**
छत्तीसगढ़

ATUL PUBLICITY

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के (मन की बात) प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को अवश्य श्रवण करें.

> अंडे को हम एक ऐसी नाजुक चीज के तौर पर जानते हैं, जो जरा सी चोट से टूट जाता है। वहीं, सीमेंट को किसी निर्माण में मजबूती के लिए जाना जाता है। एक नई रिसर्च इस सोच को काफी हद हद तक चुनौती देती

सीमेंट से मजबूत अंडे के छिलके? वैज्ञानिकों ने पीसकर कंक्रीट में मिलाया

वॉशिंगटन। विशेषज्ञों ने अंडे के छिलकों से पाउडर को सीमेंट बजरी के साथ (घर बनाने की कंक्रीट) में इस्तेमाल किया है। इसके नतीजे में देखा गया कि अंडे के पाउडर ने एक खास प्रतिशत में मिलाए जाने पर सीमेंट से ज्यादा मजबूती हसिल की है।

एक्सपर्ट ने अंडे के छिलकों को सुखाकर और बारीक पाउडर में पीसकर इसका इस्तेमाल कंक्रीट बनाने में किया। क्रंकीट में सीमेंट कम कर दिया गया और करीब 10 प्रतिशत सीमेंट की जगह अंडे के छिलके का पाउडर डाला गया। इसके नतीजे में पाया गया कि अंडे के छिलके वाले बैच में दरार आने से पहले उसके बगल वाले सादे बैच की तुलना में ज्यादा वजन सहने की क्षमता है।

अंडे के छिलकों का घर बनाने में हुआ इस्तेमाल



क्या है प्रयोग के पीछे की सोच

अंडे के छिलके मुख्य रूप से कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं, जो सीमेंट बनाने में इस्तेमाल होने वाले चूना पत्थर जैसा पदार्थ है। इस प्रयोग के पीछे यही समझ है। चूना पत्थर वह कच्चा माल है, जिससे सीमेंट बनता है। इसलिए अंडे का पाउडर कंक्रीट के लिए बाहरी चीज नहीं है। यह उस चीज का करीबी केमिकल रिश्तेदार है, जिससे सीमेंट की शुरुआत हुई । अंडे के छिलके पोल्ट्री इंडस्ट्री से निकलने वाला बहुत ज्यादा कचरा है। सीमेंट की जगह इसके इस्तेमाल का मतलब है कि फिर कम चूना पत्थर निकाला जाएगा, भट्टी में कम जलाया जाएगा और लैंडफिल में कम कचरा भेजा जाएगा। एक्सपर्ट इसे अहम मान रहे हैं, क्योंकि इससे एक ओर चूना पत्थर कम निकलेगा तो दूसरी ओर अंडो के कचरे का इस्तेमाल हो जाएगा।



ज्यादा प्रतिशत में नहीं होगा इस्तेमाल

इस स्टडी की एक खास बात ये है कि अंडा छिलके के पाउडर का कंक्रीट में 10 प्रतिशत से ज्यादा होने पर ट्रेंड उल्टा हो जाता है। नगायाकामो की स्टडी में 10% से ज्यादा मात्रा होने पर स्ट्रेंथ कम हो गई। ये हुआ, क्योंकि ज्यादा पाउडर की वजह से मिक्स में और छोटे छेद बन गए और बॉन्डिंग कमजोर हो गई। एक्सपर्ट का कहना है कि इसका एक अहम पहलू कार्बन और कचरे से जुड़ा है। मिक्स में सीमेंट के दसवें हिस्से को ऐसे मटीरियल से बदला जा सके, जिसे बेकार फेंका जाना है तो यह इंडस्ट्री की सबसे बड़ी उत्सर्जन समस्याओं में से एक में थोड़ी कमी ला सकता है। ऐसे में यह पर्यावरण के लिहाज से अच्छा है।

रोचक खबरें

बांग्लादेश में डेंटिस्ट ने बनाया प्लास्टिक बोतलों से घर, ईंट-पत्थर से ज्यादा मजबूत और सस्ता



ढाका। जिस प्लास्टिक की खाली बोतल को हम और आप बेकार समझकर डस्टबिन में फेंक देते हैं, क्या उससे कोई अपना आशियाना भी बना सकता है? जी हां, बिल्कुल मुमकिन है। बांग्लादेश के एक डेंटिस्ट ने कुछ ऐसा ही अनोखा और हैरान कर देने वाला कारनामा कर दिखाया है। उन्होंने ईंट-पत्थर की जगह प्लास्टिक की खाली बोतलों से एक आलीशान घर खड़ा कर दिया है। यह कहानी है बांग्लादेश के बरीशाल जिले के राजीहार गांव की। पेशे से डेंटिस्ट पलाश चंद्र बरई के मन में हमेशा से अपना एक अनोखा घर बनाने का सपना था। एक दिन यूट्यूब पर स्क्रॉल करते हुए उनकी नजर प्लास्टिक की बोतलों से बने घरों पर पड़ी। बस, फिर क्या था। पलाश के दिमाग की बत्ती जल गई। उन्होंने सालों तक इस अनोखे तरीके पर रिसर्च की। लेकिन, वे सिर्फ वीडियो देखकर नहीं रुके। वे पास के इलाके मदारिपुर गए, वहां बने ऐसे ही एक घर को अपनी आंखों से देखा, बारीकियों को समझा और जुट गए अपने सपनों को सच करने में।

कबाड़ को बना दिया 'कोहिनूर'

सुनने में यह जितना आसान लगता है, असल में उतना था नहीं। इस तकनीक में सबसे मेहनत का काम था प्लास्टिक की खाली बोतलों में सूखी रेत को ठूस-ठूस कर भरना, ताकि वे पत्थर की तरह मजबूत हो जाएं। इसके बाद पलाश ने इन रेत भरी बोतलों को दीवारों में ईंटों की तरह एक के बाद एक सजाया और सीमेंट-मसाले से पक्का कर दिया। बाहर से देखने पर कोई अंदाजा भी नहीं लगा सकता कि इस खूबसूरत 140 वर्ग मीटर (लगभग 1,512 स्क्वायर फीट) के घर की दीवारों के भीतर हजारों प्लास्टिक की बोतलें छिपी हैं।

बहुत गहराई तक जाती हैं इस पेड़ की जड़ें, धरती के लिए बना वरदान

डकार। अफ्रीकी देश सेनेगल के फाइडरबिया एल्बिडा पेड़ों पर की गई रिसर्च में कई अहम बातें सामने आई हैं। इसे वैज्ञानिक पर्यावरण के लिहाज से बेहद अहम और राहतभरा संकेत मान रहे हैं। रिसर्च बताती है कि सेनेगल के सूखे एग्रोफॉरेस्ट्री इलाकों में उगने वाले ये विशाल पेड़ मिट्टी में पानी को गहराई तक पहुंचाने में मदद करते हैं। फाइडरबिया एल्बिडा की जड़ों के सूखे माहौल में मिट्टी में पानी की आवाजाही और भूजल को फिर से भरने की प्रक्रिया पर की गई रिसर्च में ये चीजें सामने आई हैं। अध्ययन में कई सालों तक मिट्टी की नमी और सैप-फ्लो (पेड़ के अंदर तरल का बहाव) की माप को हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग के साथ मिलाकर देखा गया कि जमीन के नीचे पानी के साथ क्या होता है। जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी में छपे इस अध्ययन में बताया गया है कि पेड़ की जड़ें स्थानीय स्तर पर मिट्टी के हाइड्रोलिक व्यवहार को बदल सकती हैं, जिससे पानी गहरी परतों की ओर जा सकता है। अनुमान है कि भूजल रिचार्ज सालाना बारिश का तकरीबन 26 फीसदी हिस्सा होता है। सेनेगल में हुए अध्ययन में यह देखा गया कि फाइडरबिया एल्बिडा के पेड़ सूखे एग्रोफॉरेस्ट्री इलाकों में पानी की आवाजाही पर कैसे असर डालते हैं। शोध के नतीजों से पता चलता है कि पेड़ अपनी जड़ों के आसपास मिट्टी के हाइड्रोलिक व्यवहार को बदल सकता है, जिससे पानी मिट्टी में गहराई तक जा सकता है। अध्ययन का अनुमान है कि इन सिस्टम के नीचे भूजल रिचार्ज काफी अच्छा बना रह सकता है। इससे पता चलता है कि फाइडरबिया सूखे इलाकों में पानी के संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फाइडरबिया एल्बिडा का इस्तेमाल साहेलियन एग्रोफॉरेस्ट्री पार्कलैंड में बड़े पैमाने पर किया जाता है, क्योंकि इसके कई फायदे हैं और यह मौसम के हिसाब से उल्टे विकास का पैटर्न दिखाता है।





वन्यजीव

डीएनए से खुलेगा बाघिन की लंबी उम्र और अच्छी सेहत का राज

23 साल की 'जवान' महक ने वैज्ञानिकों को चौंकाया!

जयपुर। जिंदगी के 23 साल पार कर चुकी देश की सबसे बुजुर्ग बाघिन महक ने विज्ञान को भी हैरान कर दिया है। जहां जू या पिंजरे में रहने वाले बाघ 16 से 18 साल की उम्र में दम तोड़ देते हैं, वहीं राजस्थान के कोटा की शान बन चुकी महक आज भी पूरी तरह से फिट है और उसके दांत-पंजे आज भी उतने ही मजबूत हैं। अब वन्यजीव वैज्ञानिकों की एक टीम इस सुपर-टाइगर की सेहत और लंबी उम्र का असली राज जानने के लिए उसके डीएनए की कुंडली खंगालने जा रही है।

महक इस समय राजस्थान के कोटा स्थित अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में रहती है। यहां वह लोगों के लिए भी खास आकर्षण बनी हुई है। आमतौर पर चिडियाघर या दूसरे सुरक्षित स्थानों में रहने वाले बाघ करीब 16 से 18 साल तक जीवित रहते हैं।



डीएनए और स्वास्थ्य की होगी जांच

वन्यजीव संस्थान, देहरादून यानी डब्ल्यूआईआई के वैज्ञानिक महक पर एक विस्तृत रिसर्च कर सकते हैं। इस जांच में उसकी आनुवंशिक बनावट यानी डीएनए के साथ उसके शरीर में होने वाली जैविक प्रक्रियाओं, खानपान, टीकाकरण और इलाज से जुड़ी जानकारी पर रिसर्च किया जाएगा। वैज्ञानिक खास तौर पर यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि क्या महक के डीएनए में ऐसे खास गुण हैं, जिनकी वजह से वह उम्र बढ़ने के बाद भी कई बीमारियों से बची रही। इससे उसकी लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य का कारण समझने में सहायता हो सकती है। हक का जन्म 28 अगस्त 2004 को जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में हुआ था। उसने कभी जंगल में जीवन नहीं बिताया। इसके बावजूद 23 साल की उम्र में भी उसके दांत और पंजे मजबूत हैं। वह अब भी काफी एक्टिव नजर आती है। महक की बहन रंभा भी उसके साथ ही पैदा हुई थी। करीब छह महीने पहले उसकी मौत हो गई। महक का जीवन राजस्थान के अलग अलग हिस्सों से जुड़ा रहा है। उसका जन्म 2004 में नाहरगढ़ में हुआ था। साल 2012 में उसे पहली बार कोटा लाया गया था। इसके बाद पुराने चिडियाघर से उसे दोबारा जयपुर भेज दिया गया।

दूसरे बुजुर्ग बाघों की देखभाल में मिलेगी मदद

वन्यजीव अधिकारियों का मानना है कि महक पर होने वाली रिसर्च से देश के दूसरे बुजुर्ग बाघों की देखभाल में भी मदद मिल सकती है। वैज्ञानिक उसके खानपान, इलाज, टीकाकरण और तनाव मुक्त माहौल का अध्ययन कर यह समझ सकते हैं कि लंबे समय तक बाघों को स्वस्थ रखने के लिए किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा महक के अंगों, दांतों और पंजों की स्थिति का भी अध्ययन किया जा सकता है। इससे भविष्य में उम्रदराज शेरों और तेंदुओं की देखभाल में भी मदद मिल सकती है।



महक पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री

अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क प्रशासन महक की जिंदगी पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें उसके जयपुर में जन्म से लेकर कोटा पहुंचने और भारत की सबसे उम्रदराज जीवित बाघिन बनने तक का सफर दिखाया जाएगा। पार्क में एलईडी स्क्रीन के जरिए इस डॉक्यूमेंट्री को पर्यटकों को दिखाया जाएगा। कोटा वन्यजीव विभाग के डीएफओ प्रमोद धाकड़ के मुताबिक महक के डीएनए सैंपल और वैज्ञानिक रिसर्च को लेकर डब्ल्यूआईआई के वैज्ञानिकों, डॉक्टरों और वरिष्ठ वन अधिकारियों के साथ चर्चा चल रही है।

गणपति पूजा का अनोखा अंदाज : लड्डु-मोदक छोड़ बप्पा को यहां चढ़ाई जाती है बबल टी



बैंकाक। भारत में भगवान गणेश की पूजा की बात हो और सामने मोदक, लड्डू और मिठाइयों की तस्वीर न आए, ऐसा कम ही होता है। लेकिन, अगर कोई आपसे कहे कि कहीं गणपति बप्पा को बबल टी चढ़ाई जाती है, तो शायद आप भी एक बार चौंक जाएं. थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से सामने आया एक ऐसा ही वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रहा है। वीडियो में गणेश मंदिर के बाहर बबल टी से भरे कई कप रखे नजर आ रहे हैं। यह नजारा उन लोगों के लिए खासा दिलचस्प है, जो भगवान गणेश को पारंपरिक प्रसाद के रूप में मोदक या लड्डू चढ़ते देखने के आदी हैं। वीडियो बैंकॉक की कंटेंट क्रिएटर पिया पिंग ने शेयर किया है। उनके मुताबिक, यह स्थान मशहूर यूनियन मॉल के बाहर स्थित गणेश मंदिर है, जहां कुछ श्रद्धालु बप्पा को बबल मिल्क टी अर्पित करते हैं। दरअसल, बबल टी थाईलैंड में काफी लोकप्रिय ड्रिंक है। चाय, दूध और अलग-अलग फ्लेवर से तैयार होने वाली इस ड्रिंक में नीचे की तरफ टैपिओका पर्ल्स भी होते हैं, जिन्हें चबाकर खाया जाता है। स्थानीय लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता इतनी है कि कुछ भक्त इसे अपनी पसंदीदा चीज के रूप में भगवान गणेश को भी अर्पित करते हैं।

थाईलैंड की अनोखी परंपरा

थाईलैंड में भगवान गणेश को 'फ्रा फिकानेट'या 'फ्रा फिकानेसुआन'के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें सफलता, सौभाग्य और बाधाओं को दूर करने वाले देवता के रूप में सम्मान दिया जाता है। खास बात यह है कि उनकी लोकप्रियता केवल हिंदू समुदाय तक सीमित नहीं है। कई थाई लोग भी गणेश जी के प्रति श्रद्धा रखते हैं और उनकी पूजा करते हैं। गणेश चतुर्थी के दौरान सामने आए इस वीडियो ने इंटरनेट पर लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी।

फिलीपींस में 130 साल बाद खिले 'खोए हुए' एक्सकम लोहेरी फूल

मनीला। फिलीपींस में एक फूल 100 साल से ज्यादा समय बाद वापस आया है। मसुंगी जियोरिजर्व ने बताया है कि इतिहास में खो गई मानी जाने वाली फूलों की ये प्रजाति रिजल में फिर से खिल रही है। रिजल के संरक्षण क्षेत्र ने पिछले रविवार को जानकारी दी है कि उन्हें अपने एक रास्ते पर एक्सकम लोहेरी के कई पौधे खिले हुए मिले, जो सिर्फ फिलीपींस के कुछ इलाको में पाए जाने वाला फूल है। माना जा रहा है कि मसुंगी में करीब 130 सालों बाद ये 'खोए हुए' फूल खिले हैं। एक्सकम लोहेरी एक अक्लोरोफिलस (क्लोरोफिल रहित) और माइकोहेटरोट्रॉफिक पौधा है। यानी इसमें क्लोरोफिल नहीं, बल्कि माइकोहेटरोट्रॉफिक है। ऐसे में यह पोषक तत्वों के लिए प्रकाश संश्लेषण के बजाय मिट्टी में मौजूद कवक पर निर्भर होता है। इसे सबसे पहले 1895 में स्विस वनस्पतिशास्त्री ऑगस्ट लोहेर ने फिलीपींस के रिजल प्रांत में खोजा था। ऐसा मान लिया गया था कि यह पौधा समय के साथ खो गया। यह केवल एक सदी पुराने ऐतिहासिक संग्रहों में ही मौजूद था, जब तक कि पिछले साल मसुंगी के चूना पत्थर के जंगलों में घोंघे के सर्वेक्षण अध्ययन के दौरान इसे फिर से नहीं खोजा गया। शोधकर्ताओं ने नीले-बैंगनी रंग के छोटे फूल की तस्वीरें लीं, जिससे यह 130 से अधिक वर्षों में एक्सकम लोहेरी का पहला प्रमाणित रिकॉर्ड बन गया।

- सूरज से पोषण नहीं लेता ये अनोखा पौधा



विशेषज्ञों को जगी नई उम्मीद

मसुंगी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह याद दिलाता है कि जानी-पहचानी जगहों पर भी ऐसी प्रजातियां हो सकती हैं जो देखे जाने, अध्ययन किए जाने और संरक्षित किए जाने का इंतजार कर रही हों।

26 साल का समय, 6 लाख डॉलर खर्च और रिटर्न में 'ढेला'

वॉशिंगटन। अमेरिका के एरिजोना के रेगिस्तान में स्थित फ्लैगस्टाफ के पूर्व में उल्कापिंड के गिरने से एक गड्ढा बना हुआ है। इस गड्ढे या क्रेटर की लंबाई-चौड़ाई लगभग 1 मील है।

यह गड्ढा इतना गहरा है कि इसमें 50 मंजिला इमारत समा सकती है। लेकिन, इस गड्ढे ने अमेरिका के एक खनन इंजीनियर को अर्श से फर्श पर ला दिया। उसने इस गड्ढे से उल्कापिंड को निकालने के चक्कर में आज से 100 साल से भी पहले मालिकाना हक प्राप्त किया और 26 साल तक पूरे लाव-लश्कर के साथ खुदाई की। उस समय इस अमेरिकी इंजीनियर ने 600000 डॉलर (लगभग 5.75 करोड़ रुपए) खर्च किए, लेकिन उसे इसके एवज में कुछ भी नहीं मिला।



1903 में उन्होंने क्रेटर पर खनन करने का दावा पेश किया। जल्द ही अमेरिका के फेडरल गवर्मेंट से उन्हें क्रेटर और आसपास के इलाके की जमीन की लीज मिल गई।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रत्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com